

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता ।
NATIONAL LIBRARY, CALCUTTA.

वर्ग संख्या

Class No.

181·LB

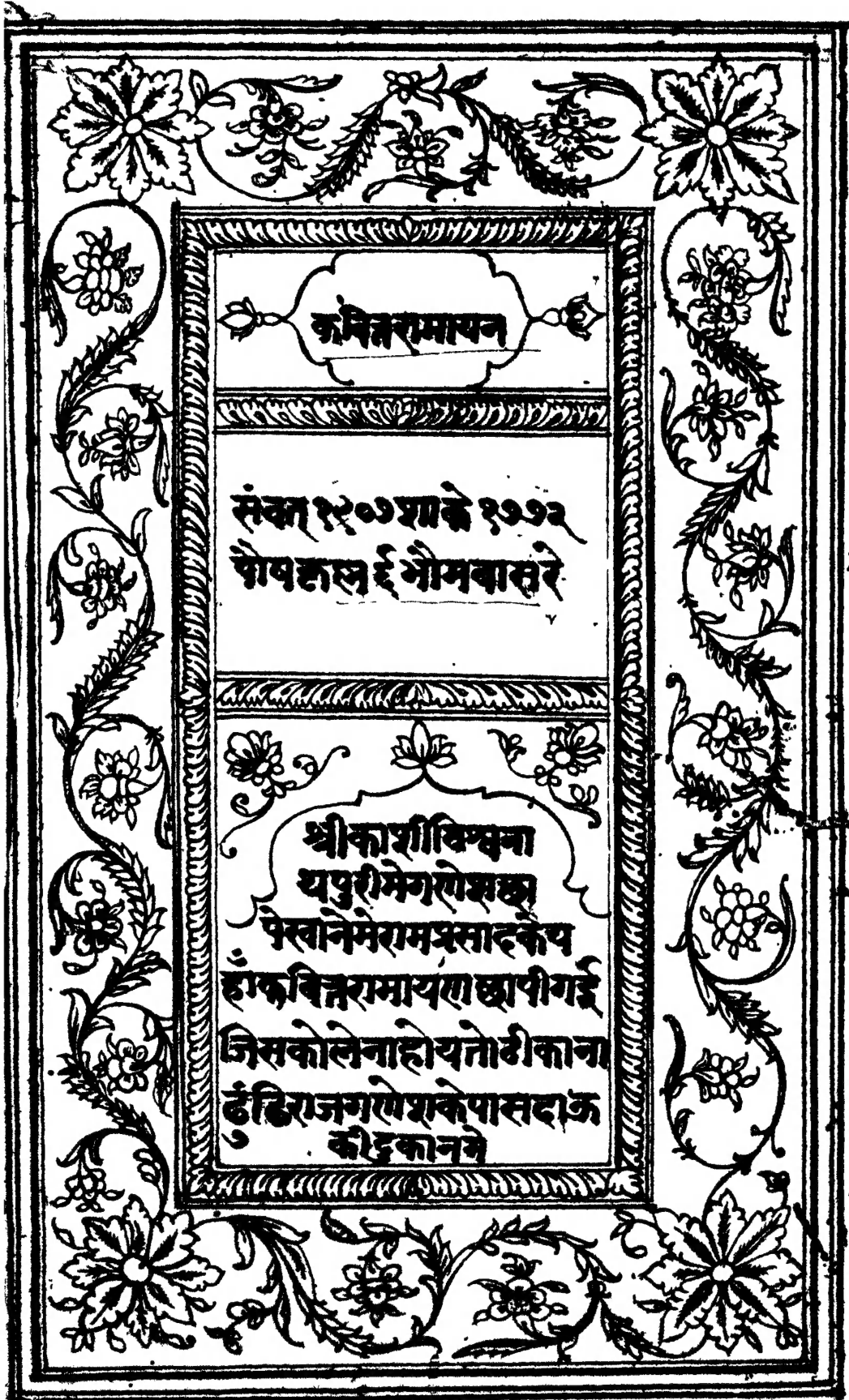
पुस्तक संख्या

Book No.

85·6

रा० पु० / N. L. 38.

MGIPC-819-69 1842/14 LNL (PB)-26 5-70-1,0 000.

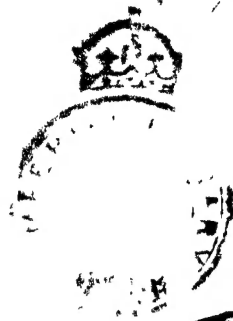


कवित्तरामायन

संका १२०० शाके १९९२
चौधरालर्द्ध भौमवासरे

श्रीकाशीविश्वना
थपुरीमेगणेशका
पेस्वानेमेरामप्रसादकेय
हंकवित्तरामायणछापीगई
जिसकोलेनाहोयतोढीकाना
ढंडिराजगणेशकेपासदाऊ
कीइकानमे

College of Medicine



2. 7. 29

क० बा० १



श्रीमलेशायनमः श्रीमतेरमानुजायनमः सुवैया
अवधेसकेद्वारेसकारेगईसुतगोदकैभूपतिलैनिकसे
अबलोकिहैंसोचविमोचनकोठगिसीरहीजोनठगेधिक
से तुलसीमनरंजनरंजितअंजननैनैसुषंजनजातकसे
सजनीससिमेसमसीलउभैनवनीलसरोरुहसेविकसे १

पगनूपुरचौपदुंचीकरकंजनिमंजुवनीमनिमालहिये नव
नीलकलेवरपीतमगारुलकैपुलकैनृपगोदलिये अरविद
सोआननरूपमहंदअनंदितलोचनभृंगपिए मनमौनवस्यौ
असोबालकज्यौतुलसीजगमेंफलकौनजिए २ तनकी
दुतिस्यामसरोरुहलोचनकंजकीमंजुलताईहरैं अतिसुंद
रसोभितधूरिभरेछविधूरिअनंगकीदूरिधरैं दमकैदतियादु
तिदामिनिजौकिलकैकलवालविनोदकरैं अवधेसकेबाल
कचारिसदांतुलसीमनमंदिरमेंविहरैं ३ कबटूंससिमौगत
आरिकरैकबटूंप्रतिबिंबनिहारिडरैं कबटूंकरतोलबजाइ
केनाचतमातुसबैमनमोदभरैं कबटूंसिसिआइरहैहठिकै
पुनिलेतसोइजेहिलागिअरैं अवधेसकेबालकचारिसदांतु
ससीमनमंदिरमेंविहरैं ४ बरदंतकीपंगतिकुंदकलीअधरा
धरपल्लवपोलनकी चपलाचमकैषनबीचजुगैछविमोतिन
मलिअमोलनकी घुंघुरारीलटैलटकैमुखऊपरकुंडललो
लकपोलनकी नवछावरधानकरैतुलसीबलिजाउललाइ
नबोलनकी ५ पदकंजनिमंजुवनीपनहीधनुहीसरपंकज
पाणिलिए लरिकसंगखेलतडोलतहैंससूतटचौहटहाटहिए
तुलसीअसोबालकसेनहिनेहकहाजपजोगसमाधिकिए
नरवेषस्तकरस्वानसमानकहौजगमेंफलकौनजिए ६ सर
जूबरतीरहिंतीरफिरैंधुवीरसषाअरुबीरसबै धनुहीकरती
रनिषंगकसैकटिपीतदुकूलनवीनफवै तुलसीतेहिअस
लावनितादशचारिनौतीनिएकीससबै मतिभारतिपंगुभई
जोनिहारिविचारिफिरीउपमानपवै ७ घनाक्षरी छोनीमे

केछेनीप्रतिछाजैजिन्हैछत्रछायाछोनीछोनीछायेछिति।
 आणनिमिराजके प्रवलप्रचंडवरिवंडवरवेषवपुवरिवेकोबो
 लैबैदेहीवरकाजके बोलेबंदीविरुदबजाइबरबाजनेऊबा
 जेबाजेबीरबाहुधुनतसमाजके तुलसीमुदितमनपुरनरना
 रिजेतेबारबारहैरैमुखऔधमृगराजके ८ सीपकेस्वयंवर
 समाजजहाराजनिकोराजनिवेराजामहाराजाजनैनामको पवन
 पुरंदरकृसानुभानुधनदसेगुनकेनिधानरूपधामसोमकाम
 को बानबलवानजातुधानपतिसारीषेस्तरजिन्हगुमानस
 दासालिमसंयामको तहांदसरत्यकेसमर्थनाथतुलसी
 केचपरिचढायोचापचंद्रमाललामको ९ मयगमहनपु
 रदहनगहनजानिआनिकैसबैकोसारधनुषगढायोहै ज
 नकसदसिजेतेभलेभलेभूमियालकिएबलहीनबलआप।
 नोबढायोहै कुलिसकदोरकूर्मपीडितेकठिनअतिहठिन
 पिनाककाहूचपरिचढायोहै तुलसीसोरामकेसरोजैपानि
 परसतंहिदूव्योमानौवारेतेपुरारिहीपढायोहै १० छयै
 डिगतिउर्विअतिगुर्विसर्वपदैसमुद्रसर व्यालवधिरतेहिका
 लविकलदिगपालचराचर दिगगयंदलरवरतपरतदसकंध
 मुखभर सुरविमानहिमभानुयानुसंघटितपरस्पर चौकैबि
 रंचिसंकरसहितकोलकमठअहिकलमल्यो ११ घनादरी लो
 चनाभिरामघनस्यामरामरूपसिसुसषीकहैसषीसौतसेम
 पयपालिरी बालकनृपालजूकेप्यालहीपिनाकतोख्योमं
 उलीकमंडलीप्रतापदापदालिरी जनककोसियाकोहमारे

तुलसीको सबको भाव तो है है मैं जो कह्यो कालिरी को सिद्ध
 को कोषि पर तोषित न पर बारियेरी रायद सेरत्य की बलायलीजे
 आलिरी १२ दूबदधिरोचना कनक थार भरि भरि आरती सँ
 बारि बरगारि चली गावती लीन्ह जयमाल कर कंज सो है जान
 की को पहरा वोरायो जी को सवियँ सिखावती तुलसी मुदित म
 न जनक नगर जन माँ काँती नरोषे लागी सो भारानी पावती मान
 दुँच कोरी चारु वैठी निज निज नीड चंद की किरि निषी वै पल को
 न लावती १३ नगर निसान बरबा जै व्योम दुंदुभी बिमान चढि
 गन कै कै सुर ना रिग चहँ जयति जयति दू पुर जयमाल राम उर
 बरवै सु मन सुर रुरे रुरा चहँ जनक को पन जयो सब को भाव
 तो भयो तुलसी मुदित रोम रोम मोद मा चहँ साँवरो कि सोर गोरी
 सो भा परत न तोरी जोरी जियौ जुग जुग जुवति जन जा चहँ १४
 भले भूप कहत भले भदे स भूप नि सो लोक लखि वो लि ए पुनी तरि
 ति मारषी जगदं बा जान की जगति पितुराम भद्र जानि जिय जो
 हो जो लगेन मुह कारषी देखे हैं अनेक व्याह सुनै हैं पुरान वेद बूमे
 हैं सु जान साधुन स्नारि पारषी ऐसे सम समधी समा जन बिरा
 ज मान राम सेन बर दुलही न सीय सारषी १५ बानी विधि गो
 री हरि से सद्गणो सकही सही भरी लोम सभु श्रुं डिब दुबारिषो
 चारि दस भुवन निहारि न स्नारि सब नारद सो परदान नारद सो पा
 रिषो तिन्ह कह ही जग मैं जग मगाति जोरी एक दू जी को कहैया को
 सु भैया चष चारिषो स्मार स्मार मन सु जान हनुमानि कह ही सीय सीन ती
 पन पुरुष राम सारिषो १६ सवैया दूलह श्रीरघुनाथ बने दुल
 ही सिय सुंदर मंदिर माँही गावति गीत सवै मिलि सुंदरि वेद जु

बामुरिविषयदाही रामको रूपनिहारति जानकी कंकन के नग
 की परछांही या तें सबै सुधि भूलि गई करटे किरही पलटारति
 नाही १७ घनाक्षरी भूपमंडली प्रचंड चंडी सको दंड खंड्यो
 चंड बाहु दंड जाको ताही सो कहत हों कठिन कुठार धार धरि बे
 की धीरता हि बीरता विदितता की देखि अचहत हों तुलसी समा
 ज राजतजि सो विराजै आजु गाओ मृगराज गजराज ज्यौंगहतु
 हों छोनी में न छाड्यो छप्यो छो निपको छो ना छो दो छो निप
 छपनवाको विरुद बहतु हों १८ निपट निदरि बोले वचन कु
 ठार पानि मानी चास्यो निप न मानौ मौन तागही रोषे मांषेल
 षन अकनि अनयो ही बातें तुलसी विनीत बानी विहंसि औसी
 कही सुजसति हारे भरे भुवन भिभृगु नाथ प्रगट प्रताप आपक
 ह्यो सो सबै सही दूख्यो सो नजुरे गो सरासन महे सभ को रावरी
 पिनाक मैं सरीकता कहारही १९ सबैया गर्भ के अर्भक कांठ
 न को पदुधार कुठार कराल है जाको सोई हों वृत्तराज सभाध
 बुकै दलि हो दलि हों बलताको लघु आनन उत्तर देत बडेलरि
 हे मरि है करि है कछु साको गोगरु गुमान भयो कहै को सिकछे दो
 सो दो दो है काको २० घना० मयरा विवेके काजराज मेरे संग दये
 दले जातु धान जे जितै आवि बुधे सके गौतम की तीयतारी मेटे अ
 यमूरि भारी लोचन अतिथि भए जनक जने सके चंड बाहु दंड ब
 ल चंडी सको दंड खंड्यो व्याही जानकी जीते नरे सदे सदे सके
 सावरे गोरे सरीर धीर महावीर दों उनाम राम लखन कुमार को सले
 सके २१ सबैया काल कराल चृपालन के धनु भंग सुने फरसा
 लिये धाये लखण राम विलोकिस प्रेम महारि सिहा फिरे आंखि

दिखाये धीरसिरोमनिवीरबडेविनईविजयीरघुनाथसोहाये
 लायकहौभृगुनायकसोधनुसायकसौपितुनायसिधायै २२
 १ इति श्रीबालकाण्डः समाप्तः १ सवैया कीरके
 कागरज्यौं नृपचीरविभूषनउप्यमअंगनिपाई श्रीधतजीम
 गवासकेरूपज्यौंपंधकेसाथजोलोगलुगाईसंगसुबंधुपुनी
 तप्रियामानोधर्मक्रियाधरिदेहसोहाई राजिवलोचनरामच
 लेतजिवापकोराजबटाउकीनाई २३ कागरकीरज्यौंभूषन
 चीरसरिरलस्यौतजिनीरज्यौंकाई मातुपिताप्रियलोगसबैस
 नमानिभुभायसनेहसगाई संगसुभामिनिभाइभलोदिनहै
 जनुश्रीधदुंतेपदुनाई राजिवलोचनरामचलेतजिवापको
 राजबटाउकीनाई २४ यनाक्षरी सिधिलसनेहकहैको
 सिलासुमित्रासोंमैंनलबीसवतिसबीभगिनीज्यौंसेईहै कहैं
 मोहिमैयाकहौंमैंनमैयाभरतकीबलैयालेहौंमैयातेरीमैया
 केकयीहै तुलसीसस्तुभायरघुरायमायमानीकायमनबा
 नीहूँनजानीकीमतेईहै बामविधिमेरोसुषसिरिससुमनसम
 ताकोछलछुरीकोहकुलिसलैदेईहै २५ कीजेकहाजीजी
 जसुमित्रापरिपायकहैतुलसीसहाबैविधिसोईसहियतुहै
 सवरेसुभायरामजम्हैतैंजानियतभरतकीमातुकोकीबो
 स्वेचियतुहै जाइराजघरव्याहिआइराजघरमाहुराजपूतपा
 येहूँनसुषलहियतुहै २६ गेहसुधागेहतेऊटगहूँमलीनकि
 येतादूपखादुबिनुगहियतुहै जाकेनामअजामिल
 सेरबलकोटिअचारनदीभवबूडतकाढे जोसुमिरेमिरिमेरुसिला
 कनहोतयाजापुरवारिधिवाहे तुलसीजेहिकेपदपंकजतेप्रगटीत

दनीजोहरेअधगाढे तेप्रभुयासरितातरिवेकहंमोगतनावकरा
 रेडैठाढे २७ एहिघाढतेंधोरिकदूरिअहैकदिसौजलथाहदे
 षाडहौंजू परसेपगधूरितरैतरनीघरनीघरक्योंसमुझाडहौंजू
 तुलसीअबलंबनअरकछूलरिकाकेहिभांतिजिथाडहौंजू व
 रुमारिएमोहिबिनापगधोरहौंनाथनगउचढाडहौंजू २८
 रावरोदोषनयायनकोपगधरिकोभूरिप्रभाउमहाहै पाहनते
 बनवाहनकाढकोकोमलहैजलस्वाडरहाहै पावनयायष्यारिकै
 नाउचढाडहौंआयसुहोत कहाहै तुलसीसुनिकेवटकेबरबैन
 नहंसेप्रभुजानकीआरहहाहै २९ घनासरी पातभरीसह
 रिसकलसुतबारेबारेकेवटकीजातिकछुवेदनपढाडहौं सब
 परिवारिमेरेयाहीलागिराजाजीहैंहीनबिनहीनकैसेदूसरीगढाड
 हौ गोतमकीघरनीज्यौतरनीतरेगीमेरीप्रभुसोंनिषादकैकैवाड
 नवढाडहौं तुलसीकेईसरामरावरेसोंसांकीकहौंविनापगधोर
 नाथनाउनचढाडहौं ३० जिनकोपुनीतवारिसिखसिबहैपुरा
 विधिपथगामिनीजसुवेदकहैंगाडकै जिनकोजोगिंदसुनिहंद
 देवदेखधरि करतविविधिजोगजपमनलाडकै तुलसीजिन
 कीधूरिपरसिअहिल्यातरीगोतमसिधारेगृहगोनोसोलेवाड
 कै तेईपाडपाडकैचढाडनावधोरविनुघैहौंनपढावनीकैडै
 हौंनहंसाडकै ३१ प्रभुरुषपाडकैबुनाएवालकघरनिवंदि
 कैचरनचढ़दिसिवैठेघेरिघेरि छोदोसोकदौताभरिआनिपा
 नीगंगाजकोधोडपाडपियतपुनीतवारिकेरिकेरि तुलसीसरा
 हैंताकोभागसानुरागसुस्वरषेंसुमनजयजयकहैंटेरिटेरि वि
 विबुधसनेहसानीवानीअसयानीसुनिहैंसैरायोजानकीलबन

तनहेरिहेरि ३२ सवैया पुरतै निकसीरघुवीरबधूधरिधार
 दयेमगमैडंगहै मलकैंभरिभालकनीजलकीपदस्रषिगए
 मधुराधरवै फिरिब्रूतिहैचलनोवकितोपियपरनकुटीक
 रिहैकितहै तियकीलधिआतुरतापियकीअंधियाँअति
 चारुचलीजलचै ३३ जलकोगएलष्वनहैंलरिकापरि
 योपियछाहघरीकहैढाढे पौछिपसेउवयारिकसैंअरु
 पायपवारिहैंभूभुरिडाढे तुलसीरघुवीरप्रियाश्रमजानि।
 कैबैठिविलंबसोंकंटककाढे जानकीनाहकोनेहलष्योपु
 लकीतनबारिविलोचनवाढे ३४ ढाढेहैंनवदुमडारगहै
 धनुकांधेधरेकरसायकलै विकटीभूकुटीवडडीअंधियाँअ
 नमोलकपोसनकीछविहै तुलसीअसीमूरतिआलुहिये
 जडडारुधौंआननिछावरिकै श्रमसीकरसोंवरिदेहलसे।
 मानोरसिमहातमतारकमै ३५ घनाक्षरी
 जलजनयनजलजाननजटाहैंसिरजोबनउमंगअंग।
 उदितउदारहैं सावरेगोरेकीवीचभामिनीसुदामिनीसीमुनि।
 पठधारेडरफूलनिकेहारहैं करनिसरासनसिलीमुष्निषंग
 कठिअतिहीअनूपकादूनूपकेकुमारहैं तुलसीविलोकके
 तिलोककेतिलुकतीनिरहेनरनारिज्यौंचितरेचित्रसरहैं ३६
 आगेसोहैंसांबरेकुंबरगोरेपाछेकाछेआछेमुनिवेषधरेलाजतअ
 नंगहैं बानविसियासनबसनवनहीकेकटिकसेहैंबनाइ।
 नीकेरजतनिषंगहैं साथनिसिनाथमुषीपाथनाथनंदिनी।
 सीतुलसीविलोकेचितलाइलेतसंगहैं आनंदउमगमनजो
 बनउमगतनरूपकेउमगतअंगअंगहै ३७ सुंदरबदनस

रसीरुहसोहाएनैनमंजुलप्रस्तनमाथेमुकुटजटनिके असनि
सरासनलसतसुचिसरकरतूनकदिमुनिपटलूटकपटनिके
नारिसुकुमारिसंगजाकेअंगउवटिकेविधिविरचेवरुथवि
शुच्छटनिके गोरेकोबरनदेखेसोनोनसलोनोलागै सांव
रेविलोकेगर्वघटतघटनिके ३८ बलकलबसनधनुबा
नपानितूनकटिरूपकेनिधानघनदामिनीबरनहैं तुलसी
सुतीयसंगसहजसोहायेअंगनबलकमलदूतेकोमलचर
नहैं औरसोवसंतऔरेरतिऔरेरतिपतिमूरतिबिलोकेत
नमनकेहरनहैं तापसबेवैबनाएपथिकपंथेसोहाएचले
लोकलोचननिसुफलकरनहैं ३९ सबैया बनिताबनी
स्यामलगोरकोबीचबिलोकदूरीसषीमोहिसीद्वै मगजोगन
कोमलक्योंचलिहैंसकुचातिमहीपदपंकजछै तुलसीसुनि
ग्रामवधूविथकीपुलकीतनऔचलेलोचनचै सबभातिमनो
हरमोहनरूपअनूपहैंभूपकेबालद्वै ४० सांवरेगोरेसलोनेसु
भयमनोहरतातजिमैनलियोहै बालकमाननिषंगकसेसि
सोहैंचूटामुनिबेषकियोहै संगलिएविधुवैनीबधूरतिको
जेहिरंघकरूपदियोहै पायनतौपनही नपयादेहिक्योंच
लिहैंसकुचातहियोहै ४१ रानीमैजानीअयानीमहापवि
पाहनहैंतेकदोरहियोहै राजदुकाजअकाजनजान्योकह्यो
तियकोजेहिकानकियोहै असीमनोहरमूरतिएविलुरे
कैसेप्रीतमलोगजियोहै आपिनमैंसपिराखिवेजोगदन्है
किमिकैबनबासदियोहै ४२ सीसजटाउरबाहुबिसाल
बिलोचनलालतिरीछीसीभौहैं तूनसरासनवानधरैतुल

सीवनमारगमेसुठिसोहैं सादरबारहिबारसुभायचितैतुम
 र्ह्योहमरोमनमोहैं पृच्छतिग्रामबधूसियसोकहौसंवरो
 सोसविरावरोकोहैं ४३ सुनिसुंदरवानिसुधारससानि
 सयानिहैजानकीजानिभली तिरछेकरिनैनदैसैनतिन्हैस
 मुगाइकछुमुसुकाइचली तुलसीतेहिऔसरसोहैंसवैअ
 वलोकतिलोचनलादुअली अनुरागतडागमेंभानुउदैवि
 कसीमानोमंजुलकंजकली ४४ धरिधीरकहैंचलुदेविय
 जाइजहांसजनीरजनीरहिहै कहिहैंजगपोचनसोचकछू
 फललोचनआपनतौलहिहैं सुषपाइहैंकानसुनेवतिया
 कलआपुसमैंकछुपैकहिहैं तुलसीअतिप्रेमलगीपलकैं
 पुलकीलषिरामहियमहिहैं ४५ पदकोमलस्यामलगौर
 कलेबरराजतकोटिमनोजलजाए करवानसरासनसीस
 जटासरसीरुहलोचनसोनसोहाएँजिनदेखेसखीसतभावडूते
 तुलसीतिनतौमनकेरिनयाए एहिमारगआजुकिसोरबधू
 विधुवैनिसमेतसुभायसिधाये ४६ सुषपंकजकंजबिलो
 चनमंजुमनोजसरासनसीबनीभौहैं कमनीयकलेबरको
 मलस्यामलगौरकिसोरजटासिरसोहैं तुलसीकटितनध
 रधनुबानअचानकदृष्टिपरीतिरेछ्योहैं केहिभौतिकहौ
 सजनीतोहिसोमृदुमूरतिहैनिवसीमनमोहैं ४७ प्रेम
 सोपीछेतिरीछेप्रियाहिचिौचितुदैचलेलैचितचोरै स्या
 मसरीरपसेउलसैदुलसैतुलसीछबिसोमनमोरे लोच
 नलोलचलैभृकुटीकलकामकमाननसोटनतोरे राज
 तरामकुरंगकेसंगनिषंगकसेधनुसोसखोरे ४८ सरा

चारिकचारुबनाइकसेकटिपानिसरासनसायकलै ब
नषेलतरामफिरैमृगयातुलसीछबिसोबरनेकिमिकै
ओलोकिलौकिकरूपमृगीमृगचोंकिचकैचितबैचि
तुदै नडगैनभगैजियजानिसिलीमुषपंचधरेरतिनायक
है ४९ बिंधकेवासीउदासीतपोव्रतधारीमहाबिनुनारि
दुषारे गौतुमतीयतरीतुलसीसोकथासुनिभेमुनिहंदसु
षारे द्वैहैंसिलासबचंदमुषीपरसेपदमंजुलकंजतिहा
रे कीन्हिभलीरघुनायकजूकरुनाकरिकाननकोपगधा
रे ५० इत्ययोध्याकांडसंपूर्णम् पंचवटीवरपर
नकुटीतरवैठेहैंरामसुभायसोहाए सोहैंप्रियाप्रियबंधु
लसैतुलसीसबअंगपनेछविछाए देषिमृगामृगनैनी
कहेप्रियबैनतेप्रीतमकेमनभाए हेमकुरंगकेसंगसरास
नसायकलैरघुनायकधाए ५१ इत्यारण्यकांडः जबअं
गदादिनकीमतिगतिमंदभईपवनकेपूतकोनकूदिवेको
बलुगो साहसीद्वैसैलपरसहसासिकिलिआइचितव
मचहुँआरऔरनिकोकलुगो तुलसीरसातलकोनिक
सिसलिलआयोकोलकलमलैयाअहिकमठकोबलु
गो चारिहुँचरनकेचपेटचाँपेचिपटिगोउचकेउचकिचा
रिअंगुलअचलुगो ५२ ४ इतिकिष्किंधाकांडः समा
प्तः वासववरुनविधिबनतेंसोहावनोदसाननकोका
ननवसंतकोसिंगारसो समयपुरानेपातपरतडरतबात
यासतलालतरतिमारकोबिहारसो देषेबरबापिकातडा
गवागकोबनावरागवसभोबिरागीपवनकुमारसो सी

यकीदसाविलोकिबिटपश्रसोकतरतुलसीविलोकेबोसोति
लोकसोकसारसो ५३ मालीमेघमालबनपालविकराल
भटनीकेसवकालसीचेसुधासारनीरके मेघनादतेंदुला
रोप्रानतेंपिआरोबागअतिअनुरागजियजातुधानधीरके
तुलसीसोजनिसुनिसीयकोदरसपाइपैठोबाटिकाबजाइ
वलरघुवीरके विद्यमानदेषतदसाननकोकाननसोतहसनहस
कियोसाहसीसमीरके ५४ वसनबटोरिवोरिवोरितेलतमी
चरषोरिषोरिधाइआइबांधतलंगूरहैं तैसोकपिकौतुकी
डेरातढीलेगातकैकैलातकेअघातसहैजीमैंकहैकूरहै
बालकिलकारीकैकैतारीदैदैगारीदेतपाछेलगगेबाजतनि
सानढोलतरहैं बालधीबढनलागीठौरठौरदीन्हीआगी
बिंधकीदवारिकैधौकोटिसतसरहैं ५५ साइलाइआ
गिभागेबालजालजहांतहांलघुझैनिबुकिमिरिमेरुतेबिसा
लभो कौतुकीकपीसकूदिकनककंगूरपछेयोरवनभ
वनचढिठाढोतेहिकालभो तुलसीविराज्योव्योमबाल
धीपसारीभारीदषेहहरातभटकालसोकरालभो तेजको
निधानमानोकोटिकहसानभानुनषविकरालमुषकेसिरिसि
लालभो ५६ बालधीबिसालविकरालज्वालजालमानेले
कलीलिवेकोकालरसनापसारीहै कैधौव्योमवीथिका
भरैहैंधूरिधूमकेतुवीररसवीरतरवारसीउघारीहै तुलसी
सुरेसचापकैधौदामिनीकलापकैधौचलीमेरुतेहसानुसरि
भारीहै देवैजातुधानजातुधानीअकुलानीकहैकाननउजा
र्योअवनगरप्रजारीहै ५७ जहांतहांबुबुकिविलोकिवु

बुकारीदेतजरतनिकेतधावोधावोलागीआगिरे कहोंमात
मातभ्रातभगिनीभामिनीभाभीढोढोछोढोछोहराअभागेभोडेभागि
रे हाथीछोरोघोराछोरोमहिषहृषभछोरोछेरीछोरोसोवे
सोजगावोजागिजागिरे तुलसीबिलोकिअकुलानीजातुधा
नीकहैंबारबारकह्योपियकपिसौनलागिरे ५८ देखिआ
लजालहाहाकारदेसकंधसुनिकह्योधरोधरोधायेबीरब
लवानहैं लियेंहूलसेलयासपरिघप्रचंडदंडभाजनसनीर
धीरधरेधनुवानहैं तुलसीसमिधसौजलंकयज्ञकुंडलविजा
तुधानपुंगीफलजवतिलधानहैं श्रुवासोलंगूलबलमूल
प्रतिकूलहविस्वाहामहाहंकिहंकिहुनेहुमानहैं ५९ गाज्यो
कपिगाजज्योविराज्योज्वालजालजुतभाजेबीरधीरअकुला
इउठ्योरावनो धावोधावोधरोसुमिधाएजातुधानधारिबा
रिधाराउलदैजलदजौनसावनो लपटकपटकहरानेहहरां
नेवातभहरानेभटपह्योप्रबलपरावनो ढकनिठकेलिपेलि
सुचिवचलेलैठेलिनाथनचलैगोबलअनभयावनो ६०
बडैबिकरालबेषदेखिसुनिसिंहनादडर्योमेघनादसवि
षादकहैरावनो वेगजितोमारुतप्रतापमार्तंडकोटिकाल
दूकरालताबडाईजितोवावनो तुलसीसयानेजातुधानेप
छिगानेकहैंजाकोचैसोदूतसोसाहिबअवैआवनो काहे
कीकुशलरोषेरामबामदेवदूकीबिषमबलीसोंबादिबैरको
बढावनो ६१ पानीपानीपानीसकरानीअकुलानीकहैं
जातहैंपानीगतजानीगजचालिहैं बसनविसारेमनिभूष
नसंभारतनआननसुधानेकहैंक्यौहोकोउपालिहैं तुलसी॥

मंदोवैमीजि हाथधुनिमाथकहै काहूकानकियोनमैंकैतोकार
हो कालिहै वापुरेबिभीषनपुकारिबारबारकह्योबानस्वडी
बलाइघनेघरघालिहै ६२ काननउजारह्योउतोउजारह्यो
नकिगाह्योकछूबनरविचारोबांधिआन्योहटिहारसों नि
पडनिउरदेविकाहूनलख्योबिसेषिदीन्ह्योनछडाइकहिकु
लकेकुठारसो छोटेओबडैरेमेरेपूतउअनेरेसबसापनि
सोवेलैमेलैंगरेछुराधारसों तुलसीमंदोवैरोइरोइकैबिगो
वैआपुबारबारकह्योमैंपुकारिदाटीजारसों ६३ रानीअ
कुलानीसबडाऊतपरानीजाहिंसकैनबिलोकिवेषकेसरी
कुमारको मीजिमीजिहाथधुनिमाथदसमाथतियतुलसी
तिलोनमयोवाहिरअमारको सबअसबावडाढैमैंनकाढेतै
नकाढेजियकीपरीसंभारसहनभंडारको धीमतिमंदोवैस
बिबादंदेविमेघनादबयोलुनियतसबयाहीदाटीजारको
६४ रावनकीरानीजातुधानीविलषानीकहैहाहाकोऊक
हैबीसबाहुदसमाथसों काहेमेघनादकाहेकाहेरेमहोदर
तूधीरजनदेतलाइलेतक्योंनहाथसों काहेअतिकायका
हैकाहेरेअकंपनअभागेतीयत्वागेभेडैभागेजातसार्थसों
तुलसीवडाइवादसालतबिसालबैरयाहीबलबालसोंबि
रोधरघुनाथसों ६५ हाटवाटकोटओटअटनअगरयौ
रबोरिवोरिदौरिदौरिदीन्हीअतिआगिहै आरतपुकोरतसं
भारतनकोऊकाहूव्याकुलजहोंसोतहोंलोकचलैभागिहै
वालधीफिराबैबारवाररुहरावैमरैबूदियासीलंकपधिला
इयागियागिहै तुलसीबिलोकिअकुलानीजातुधानीकहै

चित्रद्वंकेकपिसौभिसाचस्नसागिहै ईई लामिलगिआ
गिभागिभागिचलेजहांवहांधीयकोनमायबापपूतनसंभार
हैं छूटेबारबसनउधारेधूमधूंधंधकहैंबारेबूटेबारिबारि
बारबारही हयहिहिनातभागेजातघहरातगजभारीभीरटे।
लियेलिरौंदिवौंदिउरही नामलैचिलातबिललातअकु
लातअतितातताततौंसियतकौंसियतमारहैं ६७ लपट
करालज्वालजालमालदहूंदिसिधूमअकुलानेपहिचानेकौ
नकाहिरे पानीकोललातबिलस्रतजरेगातजातपरेपाइ।
मालजातआततूनिबाहिरे प्रियातूंपराहिनाथनाथतूंपरा।
हिबापबापतूंपराहिपूतपूततूंपराहिरे तुलसीबिलोकिलो
कव्याकुलबेहासकहैंलेहिदससीसअबबीसचषुचाहिरे
६७ बीथिकाबजारप्रतिअटनिअगारप्रतियवरिपगारप्र।
तिबानरबिलोकिए अईउईबानरबिदिसिदिसिबानरहैंमाने
रह्योहैभरिबानरतिलोकिए मूंदेआंधिहिमैंउधारेआंधि
आगेठाढोधाइजाइजहतहैंऔरकोऊकोकिए लेहुअब
लेहुकेवकोऊनसिषावोमानोसोइसतराइजाइजाहिजाहि।
रोकिए ६८ एककरैधौंजएककहैकाढोसौंजएकऔंजिपा
नीपीकैकहैवनतनआवनो एकपरेगाढेएकडाढतहैंका।
ढेएकरैषतहैंढाढेकहैंपावकभयावनो तुलसीकहतएक
नीकोहाथलाएकपिअजहूँनछाडैबालगालकोबजावनो
धावरेबुगबरेकिबावरेजिआवरेऔरेआगिलागीनबुगबै
सिंधुसावनो ७० कोपिदसकंधतबप्रलयपयोदबोलेराव।
नरजाइधाइआएजूथजोरिकै कह्योलंकपतिलंकवरत।

बतवी बेगिबानरवहाइमारैमहावारिवोरिकै भलेनाथनाइमा
 थचलेपाथप्रदनाथवरवैमुसलधारबारबारघोरिकै जीवनते
 जागीआगीचपरिचौगुनीलागीतुलसीभभरिमेघभागोमुखमो
 रिके ७१ इहांज्वालजरेजातहैगालानिगरेगातसूषेसकु
 चातसबकहतपुकारहैं जुगषटभानुदेखेप्रलयकृसानुदेखे
 सेषमुखअनलबिलोकेबारबारहैं तुलसीसुन्यौनकानस
 लिलसर्पसमानअतिअचरजकिएकेसरीकुमारहैं वारिदव
 चनसुनिधुनेसीससचिवन्हकहैदससीसईसबामताविकारहैं
 ७२ पावकपवनपानीभानुहिमबानजमकाललोकपालमेरे
 डरडांवाडोलहैं साहिवमहेससदासंकितरमेसमोहिमहा
 तपसाहसबिरंचिलिएमोलहैं तुलसीतिलोकआजदूजोन
 विराजेराजवाजेवाजेराजनिकेवेटीबेटाओलहैं कोहैईसना
 मबामबामहोतमोदूसनमालवानरावरेकेबावरेसेबोलहैं ७३
 भूमिभूमिपालव्यालपालकपतालनाकपाललोकपालजेतेसु
 भटसमाजहैं कहैंमालवानजातुधानपतिरावरेकोमनहुअका
 जआनैचैसोकोनआजहैं रामकोहपावकसमीरसीयस्रास
 कीसईसबामताबिलोकुबानरकेव्याजहैं जारतपचारिकिरिके
 रिसोनिसंकलंकजहांबांकोबीरनोसोसूरसिरताजहैं ७४ पा
 नपकबानविधिनानाकैसंधानोसीधोविविधविधानंधानवरत
 बभारहैं कनककिरीटकोटिपलंगपेटारेपीठकाढतकहारस
 बजरेभारभारहैं प्रवलपावकबाढेजहैंकाढेतहैंडाढेरुपटल
 पटभरेभवनभंडारहैं तुलसीअगारनपगारनबजारबचोहा
 थीहथसारजरेघोरेघोरसारहैं ७५ हाटबाटहाटकपधिल

चलोधीसोयनोकनककराहीलंकतलफततायसों नागापक
 वानजातुधानबलवानसबपागियागिठेरिकीन्हीभलीभाँति।
 भायसों पाहुनेहासासुपवमानसोपरोसाहनुमानसनमा
 निकैजेवाएचितचायसो तुलसीनिहारिअरिनारिदैदैगा
 रिकहैंबाबरेसुराखैरकीन्हेरामरायसों ७६ रावनसाराजरो
 गवाढतबिराटउरदिनदिनबिकलसकलसुषरांकसो ना
 नाउपचारकरिहारेसुरसिद्धमुनिहोतनविसोकओतपावेनम
 नाकसो रामकीरजाइतेरसाइनीसमीरसुनुउतरिययोधियार
 सोधिसरबाँकसो जातुधानवुटपुटपांकजातरूपरतनजतन
 जारिकियोहैमृगांकसो ७७ जारिवारिकैबिधूमबारिधिब
 ताइलूमनाइमाथोपगनिभोठाढोकरजोरिकै मातुहपाकी
 जैसहिदानिदीजैसुनिसीयदीन्हीहैअसीसचारुचूडामनिछे
 रिकै कहाकहौंतातदेवेजातज्यौंविहातदिनबडीअवसब
 हीसोचलेतुमतोरिकै तुलसीसनीरनैननेहसोसिंथिलबैन।
 बिकलबिलोकिकपिकहतनिहोरिकै ७८ दिवसछसातजातजा
 नबेभमातुधरुधीरअरिअंतकीअवधिरहीथोरिकै बारिधि।
 बंधाईसेतुअैहैभानुकुलकेतसानुजकुसलकपिकटकबदे
 रिकै बचनविनीतकहिसीताकोप्रबोधकरितुलसीत्रिकूटच।
 ढिकहतडफोरिकै जैजैजानकीसदससीसकरिकेसरीकपीस
 कूटोवातजातवारिधिहलौरिकै ७९ साहसीसमीरसुननी
 रनिंथिलंधिलंधिलंकसिद्धपीठनिसिजागौहैमसानसो तुलसी
 बिलोकिमहासाहसप्रसन्नभईदेवीसीयसारिषीदियोहैबरदा
 नसोंबाटिकाउजारिअछधारिमारिजारिगढभानुकुलमासुको

प्रतापभानुभानुसो करतविसोकलोककोकनदकोककपि
 कहैजामवंतआयोआयोहनुमानसो ८० गगननिहारिकि
 लकारीभारीसुनिहनुमानपहिचानिभएसानंदसचेतहैं बू
 डतजहाजबाँच्यो पथिकसमाजमानोआजुजाएजानिसबअंक
 मालदेतहैं जैजैजानकीसजैजैलषनकपीसकहिकूदैंका
 पिकौतुकीनटतरेतरेतहैं अंगदमयंदनलीलबलसीलम
 हाबालधीफिराबैमुषनानागतिलेतहैं ८१ आयेहनुमान
 आनहेतुअंकमालदेतलेतपगधूरिअंकचुंबतलंगूरहैं एक
 बूझैबारबारसीयसमाचारकहोपवनकुमारभोविगतअ
 मसूलहैं एकभूषेजानिआगेआनिकंदमूलफलएकपूजै
 बाहुबलमूलतोरिफलहैं एककहैतुलसीसकलसिद्धिदा
 केजाकेरुपायाथनाथसीतानाथसानकूलहैं ८२ सीय
 कोसनेहसीलकथातथालंककहैचलेजातचायसोसिराने
 पथछनमें कह्यौजुवराजबोलिवानरसमाजआजुषाद्रुफ
 लसुनियेलियैठेमधुवनमें मारेवागवानतेपुकारतदिवान
 गेउजारेवागअंगदादिषाएघायतनमें कहैकपिराजक
 रिआएकीसकाजमहाराजकीसपथमहामोदमेरेंमनमें
 ८८३ नगरकुबेरकोसुमेरकीबराबरीबिरंचिबुद्धिकोवि
 लासलंकनिर्मानभो ईसहिचढाएसीसबीसबाहुवीर
 तहारावनसोराराजतेजकोनिधानभो तुलसीतिलो
 ककीसमृद्धिसौंजसंपदासकेलिचाकिराधीरासिजागरज
 हानभो तीसरेउपासबनवाससिंधुपाससोसमाजमहा
 राजजीकोएकदिनदानभो ८४ इतिसुंदरकांडसंपूर्ण

बडेविकरालभालुवानरविसालबडेतुलसीबडेपहलैपयोधिनी
 पिहैं प्रवलप्रचंडवलबंडबाहुदंडंघडिमंडिमेदनीकोमंडलीकली
 कलापिहैं लंकदाहदेषेनउछाहरहोकाहुकोकहतसवसचि
 वपुकारियाबरोपिहैं बाचिहैंनपाछेतिपुरारिदुमुरारिदुकेकोहै
 रनरारिकोजोकौशलेसकोपिहैं ८५ विजटाकहतिवा
 रबारतुलसीस्वरीसोराघोबानएकहीसमुद्रसातोसोसापिहै
 सकुलसंघारिजातुधानधारिजंबुकादिजोगिनीजमातिका
 लिकाकलापतोपिहैं राजदेनिवाजिबोवजाइकैविभीषनके
 बजैगोव्योमबाजनेबिबुधप्रेमयोपिहैं कौनदसकंधको
 नमेघनादबापुरोकोकुंभकर्णकीदजबरामरनरोपिहै
 ८६ विनयसनेहसोकहतिसियविजटासोपाएकछुस
 माचारआरजुसुवनके पायेजूबंथायेसेतुआयेउतरेभा
 नुकुलकेतुआयेदेषिदेषिदूतदारुनदुअनके बदनंमली
 नबलहीनदीनदेषिमानोमिटेघटेतमीचरतिमिरभुवनके
 लोकपतिसोककोकमूंदेकपिकोकनदंडैरहेहैंरघु
 आदितउवनके ८७ कूलना सुभुजमारीचपरत्रिसि
 रदूषनबालीबधतजेहिदूसरोसरनसांथ्यो आनिपरभाम
 विधिबामतोहिरामसोसकतसंग्रामदस्कंधकांथ्यो समु
 क्रितुलसीसुकपिकपिकर्मघरघरघैरुविकलसुनिसका
 लपायोधिवांथ्यो बसतगढबंकलकेसनायकअछतल
 कनहिषातकोउभातरांथ्यो ८८ सवैया विश्वजयीभृ
 गुनायकसेबिनुहायभएहनिहायहजारी बातुलमातुल
 कीनसुनीसियकातुलसीकपिलकनजारी अजदूतेभलो

धुनाथमिलोफिरिबूनिहैकोगजकौनगजारी कीर्तिबडीक
 रत्तिबडीजनबातबडीसोबडोइबजारी ८५ जबपाहनभ
 बनबाहनसेउतरेवनराजैजैरामरठे तुलसीलिएसैलसिला
 सबसोहतसागरज्यौबलबारिबठे करिकोपकरैरघुबीर
 कीआयसुकौतुकहोगडकूदिचठे चतुरंगचमूपलमेंदलिकै
 रनरावनराडकोहाउगठे ८० घनाहरी विपुलबिसालवि
 करालकपिभालुमानौकालबद्धवेषधरेधाएकिएकरषा लिए
 सिलासैलतोरितालऔतमालतोरितोपैतोयनिधिसुरकोस
 माजहरषा उगेदिगकुंजरकमठकोलकलमलेडोलैधराधरधा
 रिधराधरधरषा तुलसीतमकिचलैराघोकीसपथकरैकोक
 रैअटककपिकटकअमरषा ८१ आयेशुकसारनबोला
 एतेकहनलागेपुलकिसरीरसैनाकरतफहमही महाबली
 बानरबिसालभालुकालसेकरालहैरहेकहासमाहिगेकहाम
 ही हस्योदस्किंधरधुनाथकोप्रतापसुनितुलसीदुरावैमुष
 सृषतसहमही रामकेबिरोधचुरेविधिहरिहरूढकोसबको
 भलोहैराजारामकेरहमही ८२ आयौआयेआयौसोइवान
 रबहोरिभयोसोरचहैंओरलंकआयेजुबराजके एककाटे
 सौंजएकधौंजकरैकहाकैहैपोचभईमहासोचसुभटसमाज
 के गाज्यौकपिराजरघुराजकीसपथकरिमूंदेकानजातुथाव
 मानोगाजेगाजके सहमिसुषातबातजातकीसुरतिकरिलवा
 ज्यौलुकाततुलसीमपेटेवाजके ८४ दूषनबिराधपरतसिरा
 कबंधबधेतालऊकरालबेधेकौतुकहैकालिको एकहीबि
 सिषवसभएबीरबांकुरेसोतोहूहैबिदितबलमहाबलीवालि

को तुलसी कहत हित मानत ननेकुसंकमेरो कहै जै है फल
 पेहेतू कुचालिको वीर करिके सरीकुठार पानिमा मिहारितेरी
 कहा चली बूटे तो सो गनै घालिके ९५ सबैया तो सो कहों द
 स्कंधरे रघुनाथ विरोधन कीजिए वीरे बालिबलीषरदूषन
 और अनेक गिरे जे ते भीति में दौरे असि यहा लभई तोहि को
 न तो लै मिलु सीय चहै सुषजौरे राम के रोषन राधिसकैं तुलसी
 विधि श्रीपति संकर सौरे ९६ तंजनी चरनाथ महारघुनाथ
 के सेवक को जनहौं हौं बलवान है खानगली अपनी तोहि
 लाजन गाल वजाबत सोहौं बीस भुजा दस सी सहरौं नडरौं
 प्रभु आय सुभंग तेजोहौं घेत में कहै ज्यौं गजराज दलौं दल
 बालिको बालकतौहौं ९७ कौसल राज के काजहौं आजुचि
 कूट उ पारिलै बारिधि बौरौं महाभुज दंड है अंडकटाह चपेट
 के चोट चटाक दै फोरौं आय सुभंग तेजो नडरौं सब मीजि
 सभा सदश्रोणि तषोरौं बालिको बालकतौ तुलसी दस दू
 मुष के रन में रदतोरौं ९८ अतिकोप सोरो यौ है पाउ सभास
 बलंक ससंकित सोरमचा तम के घननाद से वीर प्रचारिकै
 हारि नि साचर सैन पचा नट रै पग मेरु हिते गरुभो सो मनोम
 हि संग बिरंचिरचा तुलसी सब स्तर सराहत है जग में बल सालि
 है बालि बंचा ९९ घनाक्षरी रोषै पाउ पैज के बिचारि रघुबी
 खल लामे भट सिमिदिन ने कुट सकतु है तजि धीर धरनी धरनि
 धरध सकत धरा धर धीर भार संहिन सकतु है महाबली बालि
 को दवत दल कत भूमि तुलसी उछलि सिंधु मेरु मसकत है क
 मठ कठिन पीठ घंटा परो मंदर को सोई आयो काम पै करे जो क

सकतुहै १०० मूलना कनकगिरिशृंगचण्डिदेविमर्कटकट
 कबदतिमंदोदरीपरमभीता सहसभुजमत्रगजराजनरकेसरी
 परसुधरगर्बजेहिदेविबीता दासतुलसीसमरसबलकौसल
 धनीष्यालहीबालिबलिसालिजीता रेकंतनदंतगहिसर
 नश्रीरामकहिअजडुएहिभौतिलैसौपुसीता १०१ रेनी
 चमारीचविचलाइहतिताडिकाभंजिसिवचापसुषसबहि
 दीन्ह्यो सहसदसचारिषलसहितषरदूषनहिपठैजमधाम
 तैतजनचीन्ह्यो मैजोकहोंकंतसुनुमंतभगवंतसोबिमुषदै
 बालिफलकौनलीन्ह्यो बीसभुजसीसदसवीसगयेतबहि
 जबईसकेईससोबैरकीन्ह्यो १०२ बालिदलिकालिज
 लजानयाषानकियेकंतभगवंततैतवनचीन्है विपुलविकरा
 लभदभालकपिकालसेसंगतरुतुंगगिरिशृंगलीन्है आइगे
 कौसलाधीसतुलसीसजेहिछत्रमसिमौलिदसदूरिकीन्है ई
 सबकसीसजनिवीसकरुईससुनुअजडुकुलकुसलबैदेहिदीन्है
 १०३ जाकेसैनसम्मूहकपिकौनगनैअबुदैमहावलिवीरह
 गुमानजानी भूलिहैंदसदिसासीसुपुनिडोलिहैंकोपिरघुनाथज
 बवानतानी बालिदूंगर्वजियमाहअैसीकियोमारिदहपटकि
 योजमकीयानी कहतिमंदोदरीसुनहिरावनमतोवेगिलैदेहि
 वैदेहिरानी १०४ गहनउज्जारिपुरजारिसुतमारितवंकुस
 लगौकीसवरबैरिजाको दूसरोदूतपनरोपिकोप्योसभाषव
 कियोसर्वकोगर्बथाको दासतुलसीसभयवदति
 मयनंदिनीमंदमत्रिकंतसुनुमंतन्हाको तौलौमिलुबेगिन
 हिजौलौरनरोषभयोदासरथिवीरबिरुदैतवाको १०५ घा

नाक्षरी काननउजारिअछमारिधारिधूरिकीन्हीनगरप्रजास्यौ
 सोविलोक्यौबलकीसको तुम्हैविद्यमानजातुधानमंडलीमेंक
 पिकोपिरोप्यौपाउसोप्रभाउतुलसीसको कंतसुनुमंतकुलअं
 तकिसेअंतहानिहातोकीजैहिएतेभरोसोभुजबीसको तौलौंमि
 लुबेगिजौलौंचापनचढायोरामरोपिवानकाछ्यौनदलैआद
 ससीसको १०६ पवनकोपूतदेख्योदूतबीरवांकुरोजीवंकग
 ढलंकसोढकाढकोलिढाहिगो बालिवलसालिकोसोका।
 लिदापदलिकोपिरोप्यौपाउचपरिचम्बूकोचाउचाहिगो सोइ
 रघुनाथकपिसाथपाथनाथबांधिआयोनाथभागेतेविरिरे
 हवाहिगो तुलसीगरबतजिमिलिवेकोसाजसजिदेहिसियन
 तोपिययायमालजाहिगो १०७ उदधिअपाउउतरतदूनला
 गीवारकेसरीकुमारसोअदंडकैसोडांडिगो बाटिकाउजारिअ
 छरछकनिमारिभटभारीभारीरावरेकोचाउरसोकैंडांडिगो तु
 लसीतिहारेविद्यमानसुवराजआजुकोपियाँउरोप्यौसबछूछ
 कैकैछैंडांडिगो कहेकीनलाजपियअजदूनआवेबाजसहित
 समाजगढरांडकैसोभांडिगो १०८ जाकेरोषदुसहत्रिदोष
 दाहदूरिकीन्हैपैअतनछत्रीषोजबोजतषलकमें महि
 षमतीकोजादुसाहसीसहसबाहुसमरसमर्थनाथहेरियैह
 लकमें सहितसमाजमहाराजसोजहाजराजबूडिगयोजाकेबल
 बारिधिछलकमें टुटतपिनाककेमनाकबामरामसेतेनाक
 विनुभयेभृगुनायकपलकमें १०९ कीन्हीछोनीछूत्री
 विनुछोनिपछपनहारकठिनकुठारपानिवीरवानजानिकैंप
 रमरुपालजोचुपाललोकपालनपैजवधनुहाईद्वैहैमनअठ

मानिकै नाकमै पिनाकमिसिबामनाविले किरामरोकेयो पर
लोकलोकभारिभ्रममानिकै नाइदसमाथमहिजोरिबीसहाथपिय
मिलियेपैनाथरघुनाथपहिचानिकै ११० कह्योमतमातुल
विभीषनद्वारबारअंचलपसारिपियपायलैलैहोंपरी विदि
तविदेहपुरनाथभृगुनाथगतिसमयसयानीकीन्हीजैसीअइ
मोंपरी बायसविराधवरंदूषनकबंधवा
लिबैररघुबीरकेनपूरीकाहूकोंपरी कंतवीसलौचनबिलो।
किएकुमंतफलष्याललंकलाईकपिरोंडकीसीमोंपरी १११
सबैया रामसोसंमकिएनितहैहितकोमलकाजनकीजि
यठाढे आपनिस्त्रिकहौपियबूमियेजूमिवेजोगनगहरु
नाढे नाथसुनीभृगुनाथकथाबलिबालिंगएचलिबातके
साढे भाइविभीषनजाइमित्योप्रभुआइपरेसुनिसागरका
ढे ११२ यालिबेकोकपिभालचमूजमकालकरालदुको
पहरीहै लंकसेवंकमहागढदुर्गमढाहिवेदाहिवेकोकह
रीहै तीतरतोमतमीचरसैनसमीरकोस्त्रनबडोबहरीहै
नाथभलोरघुनाथमिलोरजनीचरसैनहिएहहरीहै ११३
घनाक्षरी रोषेरनरावनबोलाएवीरबानइतजानतजेरीतिस
वसंयुगसमाजकी चलीचतुरंगचमूचपरिदुनेलिसानसैना
सराहनजोगरतिचरराजकी तुलसीबिलोकिकपिभालु
किलकतललकतलपिज्यौंकंगालपातरीसुनाजकी राम
रुषनिरषिहरव्योहिएहनुमानमानोषेलवारबोलीसीस।
नाजवाजकी ११४ साजिकैसनाहगजगाहसउछाहदल

महाबलीपाएबीजातुधानधीरके इहांभालुबंदरबिसालमेरुमंदर
 सेलिसैलसालतोरीनीरनिधितीरके तुलसीतमकितकिभिरेभारीयु।
 दकुदसेनपसराहेनिजनिजभटभीरके रुंडनकेकुंडरूमिन्मूमि।
 रुकरिसेनाचैसमरसुमारसरमारेरघुबीरके ११५ सबैया ती
 षेतुरंगकुरंगसुरंगनिसाजिचटेछटिछैलछबीले भारीगुमान
 जिन्हैमनमेकबहूँनभएरनमेतनढीले तुलसीलषिकेहरिकेह
 रिकेरुपटंपटकेससरसलीले भूमिपरेभटघूमिकराहतहांकि।
 हनेहनुमानहठीले ११६ सरसंयोयलसाजिसुवाजिसुसेलध
 रेवगमेलचलेहैं भारीभुजाभरिभारीसरीरबलीविजयीसबभौ
 तिभलेहैं तुलसीजिन्हैधाइधुकेघरनीधरनीधरधोरथकानह
 लेहैं तेरनतिष्यनलष्यनलाषनदानिज्यौंदारिददाबिदलेहैं
 ११७ गहिमंदरबंदरभालुचलेसोमनोउनएधनसावनके तु
 लसीउतकुंडप्रचंडरुकेरुपटेभटजेसुरदावनके विरुमेविरुदै
 तजेषेतअरेनदरेहठिवैरबढावनके रनमारमचीउपरीउपराभले
 बीररघुपतिरावनके ११८ सरतोमरसेलसमूहपवारतमार
 तवीरनिसाचरके इततेतरुमालतमालचलेषरषंडप्रचंडमहीधरके
 तुलसीकरिकेहरिनादभिरेभटषयाषगेषपुआषरके नषदंतन
 सोभुजदंडविहंडतमुंडसोमुंडपरेरुके ११९ रजनीचरमन्नगयं
 द्यटविद्यटैमृगराजकेसाजलरै रुपटैभटकोटिमहीपटकैगरजै
 रघुवीरकीसौंहकरै तुलसीउतहांकदसानदेतअचेतभेवीरको।
 धीरधरै विरुमोरनमारुतकोविरुदैतजोकालहुकालसोवूमिप
 रै १२० जेरजनीचरबीरबिसालकरालबिलोकतकालनषाये
 तेरनरोरकपीसकिसोरबडेवरजोरपरेकंगपाये लूमलपेटिअ

तुधानके मारिकै पछारिकै उपारि भुजदंड चंड पंड डंडारे ते वि
दारे हनुमानके कूटतकबंधके कदंब बंध सीकरत धावत देवावत
है लाघौर घीवानके तुलसीमहेस विधिलोकपाल देवगन देवत
वेवान चढे कौतुक मसानके १३२ लोथिन सोलोहू के प्रवाह च
ले जहां तहां मानहुं गिरिन्ह गेरु नर नारत है ओमित सरित घोर
कुंजर करारे भारे कूल ते समूल वाजि विट पपरत है सुभट सरीर
नीरचारी भारी भारी तहं सरन उछाह कर का दर डरत है

फेरि फेरि फेरि फेरि फारि फारि पेट पात का कंक क बाल क कोलाह
ल करत है १३३ ओरु रीय मोरी कांधे आंतन की सेलेंही बांधे मुं
उके कमंडल पर किये कोरि कै जोगिनी जमाति जोरि मुंडा
बनी ताप ससे नीर तीर बैठी सो समर घोरि कै

ओणित सो सानि सानि गूदा पात सतु आसे एक
प्रेत पियत वहोरि घोरि घोरि कै तुलसी वेताल भूत साथ लिखे भू
त नाथ हेरि हेरि हंसत हैं हाथ हाथ जोरि कै १३४ सबैया राम सा
रसन ते चले तीर रहे न सरीर हडा चरि फूटी रावन धीर न पीर गनी
लखिलै करष्यर जोगिनि जूटी ओणित छीट छटानि छुटी तुल
सी प्रभु सौं है महा छवि छूटी मानौ मरकत सैल विसाल में फैलि
चली बरवीर बहूटी १३५ घनाक्षरी मानी मेघनाद सौं प्रचा
रि भिरे भारी भट आपने आपने पुरुषारथ नटील की घायल लष
न लाल सुनि विलषाने राम भई आस सिधिल जगनि वास डील
की भाई कोन मोह छोह सीय कोन तुलसी सक है मैं विभीषन की
कछुन सवील की लाज बांह बोल की नेवाजे की संभार सार साहेव
नर भ्रम सेव लाइले उलील की १३६ सबैया कानन वास दसान

नसोरिपुश्राननश्रीससिजीतिलियोहै बालिमहाबलसालि
दल्यौकपिपालिविभीषनभूपकियोहै तीयहरीस्नबंधुपस्थौपै
भस्यौसस्नागतसोचहियोहै बाँहपगारकपालउदारकहोरघु
त्रीरसोवीरवियोहै १३७ लीन्हउवारिपहारविसारचल्यौतेहि
कासबिलंबनलायो मारुतनंदनमारुतकोमनकोषगराजको
वेगलजायो तीचेतुरातुलसीकहतोपैहिउपमाकोसभाउनआ
यो मानोप्रतक्षपरवतकीनभलीकलसीकपियौधुकिधायो १३८
घनाक्षरी चल्यौहनुमानसुनिजातुधानकालनेमिपठयोसोमु
निभयोपायोफलछलिकै सहसाउबारोहैपहारबहुजोजनको
रषवारेमारेभारेभूरिभटदलिकै बेगबलसाहससराहतकृपा
लरामभरतकीकुसलअचलल्यायोचलिकै हाथहरिनाथके
धिकानेरघुनाथजनुसीलसिंधुतुलसीसभलोमानोभलिकै
१३९ बायदियोकाननभोआननसुभाननसोबैरीभोदसानन
सोतीयकोहरनभो घोररारिहेरिनिपुरारिविधिहारेहियघाय
ललषनबीरवानरवरनभो बालिबलसालिदलियालिकपि
राजकैविभीषननेवाजिसेतसागरतस्नभो अैसेसोकमैतिले
ककैविसोकपलहीमेसवहीकेतुलसीकेसाहेबसरनभो १४०
सबैया कुंभकरन्नहन्यौरनरामदल्यौदसकंधरकंधरतोरै
पूषनवंसीविभूषनपूषनतेजप्रतापगरेअरिओरे देवनिसान
बजावतगावतसावतगोमनभावतभोरे नाचतवानरभालुस
वैतुलसीकहिहारेहहाभैयहोरें १४१ घनाक्षरी मारेस्नरा
तिचररावनसकुलदलअनुकूलदेवमुनिफूलवरषतुहै नाग
नरकिन्नरविचिहरिहरहेरिपुलकसरीरहियहेनुहश्यतुहैं

वामओरज्ञानकीरूपानिधानकेविराजैदेषतविषादमिदंमोद
 सरसतुहै आयसुभोलोकनिसिधारेलोकपालसबतुलसी
 निहासकैकैदियेसरसतुहै १४२ इतिश्रीलंकाकांडसंपूर्ण
 शुभमस्तु ६ वालिसेबीरविदारिसुकंदध्वज्योहरषेसुरबा
 जनबाजे पलमेदल्योदासरथीदसकंधरलंकविभीषनरा
 जबिराजे रामसुभाउसुनेतुलसीदुलसेअलसीहमसेगल
 गाजे कायरकूरकपूतनकीहृदतेजगरीबनेवाजेनेवाजे १४३
 वेदपढैविधिसंभुसभीतपुजावनरावनसोनिताबै दानवदेव
 दयावनेदीनदुषीदिनदूरिहितेसिरनावैं अैसेउभागभगेदसभासते
 जोप्रभुताकविकोविदगाव रामसवामभयेतेहिबामहिबामस
 बैसुषसंपतिलावैं १४४ वेदविरुद्धमहीमुनिसाधुससोककि
 योसुरलोकउजाख्यो औरकहाकहौंतीयहरीतबटूकरुनाक
 रिकोपनेवाख्यो सेवकछोहतेछांडीछमातुलसीलख्योरामसु
 भाउतिहाख्यो तौलौनदापदल्योदस्कंधरजौलौविभीषनला
 तनमाख्यो १४५ सोकसमुद्रनिमज्जतकाठिकपीसकियोज
 गजानतजैसोन नीचनिसाचरबैरीकोबंधुविभीषनकीन्हपुरं
 दरसैसो नामलियेअपनाइलियोतुलसीसोकहैजगकौनअ
 नैसो आरतआरतिभंजनरामगरीबनेबाजनदूसरअैसो १४६
 भीतपुनीतकि एकपिभालुकोपालेजौकाहूनबालतनूजो सज्ज
 नसीवविभीषनभोजहूंबिलसैबरबंधुबंधूजो कोसलपाल
 बिनातुलसीसरनागतपालरूपालनदूजो कूरकुजातिकपूतअ
 यीसबकीसुधरैजोकसैरपूजो १४७ तीयसिरोमनिसीयतजी
 जेहिषावककीकलुषाईइहीहै धर्मधुरंधरबंधुतज्यौपुरलोरा

नकीविधिवोलिकहीहै कीसनिसाचरकीकरनीनसुनीनवि
लोकीनचितरहीहै रामसदासरनागतकीअनवौहीअनैसीसु
भायसहीहै १४८ अपराधअगाधपरेजनतेअपनेउरआनतना
हिनजू गनिकागजगीधअजामिलकेगनिपातकपुंजसेराहिनजू
लियेवारकनामसोधामदियोजेहिधाममहामुनिजाहिनजू तु
लसीभजुदीनदयालहिरेरघुनाथअनाथहिदाहिनजू १४९ प्र
भुसत्यकरीप्रह्लादगिराप्रगटेनरकेहरिबभमहो कषराजय
स्योगजराजकृपाततकालबिलंवकिसनतहो सुरसाषीदैराषी
हैपंडुबधूपटलूटतकोटिकभूपजहो तुलसीभजुसोचविमोच
नकोजनकोपनरामनराव्यो कहो १५० नरनारिउधारिउधारि
सभामैंहहोतदियेपटसोचहस्योमनको प्रह्लादबिषादनेवार
नवारनतारनसीतअकारनको जोकहाबतदीनदयालसही
तेहिभोरसदाअपनेपनको तुलसीतजिआनभरोसभजैभग
वानभलोकरीहैंजनको १५१ रिषिनारिउधारिकियोसठकेव
टमीतपुनीतसुकीर्तिलही निजलोकदियोसवरीषगकोकपि
थापिसोभालुमहैसबही दससीसबिरोधसभीतविभीषनभूप
कियोजगलीकरही करुनानिधिकोभजुरेतुलसीरघुनाथअ
नाथकेनाथसही १५२ कौसिकविप्रबधूमिथिलाधिपकेस
बसोचदस्नेपलमाहै वालिदसाननबंधुकथासुनिसत्रुसुसा
हिवसीलसराहैं औसीअनूपकहैतुलसीरघुनाथकीअगुनी
गुनगाहैं आरतदीनअनाथनकोरघुनाथरेमिजहायनछाहैं
१५३ तेरेवेसोहेवेसाहतऔरनिऔरवेसाहिकेवेचनहारे वो
मरसातलभूमिभरेचपकूरकुसाहिबसेतिहुंघारे तुलसीतेहिसे

वतकौनमरेरंजतेलघुकोकरेमेरुतेभारे स्वामिसुसीलसमर्थसु
 जानसोतोसोतुहीदसरत्थदुलारे १५४ घनाक्षरी जातुधानभा
 लुकपिकेवटबिहंगजोजोपालेनाथसद्यसोभयोसोकामकाज
 को आरतअमाथदीनमलिनसरनआयेरावेसनमानिसोसुभा
 उमहाराजको नामतुलसीपैभोडेभागतेकहायोदासकियेअंगी
 कारअैसेवडेदगाबाजको साहेबसमर्थदसरत्थकेदयालदेवदू
 सरोनतोसोतुहीआपनेकीलाजको १५५ महाबलीबालिदलि
 कायस्सुकुंठकपिराजकिएमहाराजहोनकाहूकामको आतयात
 पातकीनिसाचरसरनआयेकिअंगीकारनाथएतेबडेचौमको
 रायदसरत्थकेसमर्थतेरेनामलियेतुलसीसेकूरकोकहतजगरा
 मको आपनेनेवाजेकीतौलाजमहाराजकोसुभाउसमुक्तमनमु
 दितगुलामको १५६ रूपसीलसिंधुगुनसिंधुबंधुदीनकोदया
 निधानजानमनिबीरबाहुबोलको आधिकियोगीधकोसरोहेफ
 लसबरीकेसिलासापसमननिबात्योनेहकोलको तुलसीउरा
 उहोतरामकोसुभाउसुनिकोनबलिजाइनविकाइविनुमोलको
 अैसेदुसुसाहिवसेजाकोअनुरागनसोवडोइअभागोभागभा
 गेलोभलोलको १५७ स्तरसिरताजमहाराजनकेमहाराजजा
 कोनामलेतहीसुषेतहोतऊसरो साहिवकहांजहानजानकीससोसु
 जानसुमिरेरूपालकेमरालहोतधूसरो केवटपवानेजातुधानक
 पिभालुतारेअपनायोतुलसीसोधींगधमधूसरो बोलकोअटल
 बांहकोपगास्दीनबंधुदूबरे कौदानिकोदयानिधानदूसरो १५८
 कीबेकोविसोकलोकलोकपालहूतेसबकहूँकोउभयोअरवाहो
 कपिभालुको पविकोपहारकियोप्यालहीरूपालरामबापुरोबिभी

घनघरीं धाहोत बालको नाम वोटलेत ही निषोट होत वोटे बलचो
 टविनु मोट पाइ भयोन निहाल को तुलसी की बार बलिटी ल होत सी
 ल सिंधु बिगरी सुधार बे को दूसरो दयाल को १५९ नाम लिये पूत को
 पुनीत किये पात की सुआरति नेवारी प्रभु पाहिक हे पील की छलन
 की छोंडी सी निगोडी छो जाति पांति की न्ही सीन आय मे भामिनी भो
 डी भील की तुलसी ओतार बो बिसार बो न अंत मो दूनी के है प्रतीति रा
 वरे सुभाव सील की देवतौ दयानिकेत देत दादि दीन न की मेरी बार
 मेरे ही अभाग नाथ डील की १६० आगे परे पाहन रूप पाकि रात को
 ल निक पीस नि सिचर अपना एना एमा थजू सौची सेव काई हनुमा
 न की सुजान राय रिनिया कहायो है बिकाने ता के हाथजू तुलसी से
 षोटे परे होत ओट नाम ही की महगी माटी मगदू की मृग मद साथजू
 बात चले बात को न मानि बो बिलग बलिका की सेवारी रिके ने वाजेर
 पुनाथजू १६१ कौसिक की चलति पवान की परस पाइ दूत ध
 नुषव निगई है जनक की कोल षल सवरी बिहंग भालुराति चररति
 न के लाल चिन प्रापति मनक की कोटिक लाकुसलहा पालनत पास
 बात दूँ किते कत न तुलसी तनक की रायदसरथ के समर्थ राम
 राजमनि तेरे हेरे लो पैलि पि विधि दूँ गनक की १६२ सिला साय पा
 प गुहगी ध को मिला प सेवरी के वाप आप चलि गए हो तो सुनी में से
 एक सरह के पिनाय कवि भीषन को भरत सभा सादर सने ह सुरधुनी
 में आलसी अभागी अघी आरत अनाथ वाल साहेव समर्थ एकनी
 के मन गुनी में दोष दुषदारिद लैया दीन बंधु राम तुलसी न दूसरी द
 या निधानि दुनी में १६३ मीत वालि बंधु पूत दूत दसकंध बंधु सच्चि
 द सराध साध सेवरी जटाइ को लंक जरी जो है जिय सोच सो विभीष

नको कहो जैसे साहेब की सेवान बदाइ को बडे एक एक को अने
 कलोकलोकनाथ अपने अपने की तो कहै गोघटाइ को सांकरे
 को सेइ वो सराहवे सुमिरवे को राम सोन साहेब नकुमतिकटाइ को
 १६४ भूमिपाल ब्यालपाल लोकपाल नाकपाल कारन कपाल
 मै सवै के जी की थाहली कादर को आदर काहू के नाही देषियत।
 सबन सोहात है सेवा सुजान दाहली तुलसी सुभाय कहै नही क
 छुपक्षपात को नेई सकि एकी सभालुषा समाहली राम ही के द्वारे
 पै बुलाइ सनमानियत मो से दीन दूबरे क पूत कूर काहली १६५ सेवा
 अनुरूप फल देत भूप ज्यों बिहीने गुन पथि क पिया से जात पथ के लेषे
 जाये चोषे चित तुलसी स्वारथ हित नी के देषे देवता देवैया गुन गथ के
 गीधमानो गुरु क पिभालु मानो मीत के पुनीत गीत सा के सब साहेब
 समत्य के और भूप परषि सुलाषितौ लिताइ लेत लसम के पसम
 तुही पैद सत्य के १६६ रीति महाराज की निवाजि एजो मांगनो सो
 दोष दुषदारिदरिद के कै छोडिये नाम जा को काम तरु देत फल
 चारिताहि तुलसी बिहाइ कै बबूर रेडंगोडिये जाचै को नरे सदे सदे
 सको कले सकरै दै हैं तो प्रसन्न द्वै बडी बडाइ बोडिये कृपा पाथना
 थलोकनाथ नाथ सीतानाथ तजिर धुनाथ हाथ और काहि औडिये
 १६७ सवैया जाके विलोके ते लोक प होत विसोकल है सुरलोक
 सुठौरहि सो कमलात जि चंचलता अरु कोटि कलारि मवे सिर मो
 रहि ताको कहाइ कहै तुलसी तल जाहि न मांगत कूकुर वैतरहि
 जान की जीवन को जन द्वै जरि जाउ सो जीह जो जाचत औरहि १६८
 जउ पंचमिलै जेहि देह करी करनी देषु धौं धरनी धर की जन की कहु
 क्यों करि है न संभार जो सार करै सचराचर की तुलसी कहु राम समा
 न को आन है सेव कि जा सुरमा धर की जग मे गति जाहि जग पति की

परवाहिसोताहिकहानरकी १६९ जगजाचियकोउनजाचिय
जौंजियजाचियजानकिजानहिरे जेहिजांचतजांकताजरिजाइ
जोजोरतजोरजहानहिरे गतिदेषुबिचारिविनीषनकीअरुआ
निहिएहनुमानहिरे तुलसीभजुदारिदोषदवानलसंकटको
दिहयानहिरे १७० सुनुकानदिएनितनेमलिएरयुनाथहिके
गुनगाथहिरे सुषमंदिरसुंदररूपसदाउरआनिधरेधनुभाथा
हिरे रसनानिसिवासरसादरसोतुलसीजपुजानकीनाथहिरे क
रुसंगसुसीलसुसंतनसोतजिकूरकुपंथकुसाथहिरे १७१ सुत
दारअगरसषापरिवारविलोकुमहाकुसमाजहिरे सबकीमम
तातजिकैसमतासजिसंतसभानविराजहिरे नरदेहकहाकरि
देषुबिचारगंवारविगारनकाजहिरे जनिडोलहिलोलुपकूकर
ज्यौतुलसीभजुकोसलराजहि १७२ विषयापरनारिनिसात
रुनाइसोपाइपथ्यौअनुरागहिरे जमकेपहरुदुषरोगवियोग
विलोकतहैनविरागहिरे ममतावसतेसबभूलिगयोभयोमो
रमाहाभयभागाहिरे जरगईदसारविकालउयौअजहूंमडजी
वनजागहिरे १७३ जनम्यौजेहिजोनिअनेकक्रियासुखलागि
करीनपरैबरनी जननीजनकादिहितभयेभूरिवहारिभईउर
कीजरनी तुलसीअवरामकोदासकहाइहिएथरुचातककीध
रनी कस्मिंसकोविषबजोसबतेतजिधौवकबायसकीकरनी
१७४ मेलिभारतभूमिभलेकुलजनमसमाजसरीरभलोत्तहिकै
ममताकरयातजिकैबरषाहिममारुतधामसदासहिकै जोभजै
भगवन्सयामसोइतुलसीहठचातकज्यौंगहिकै नतोऔरसबै
विषवीजबयेहरहाटककामधुकानहिकै १७५ सोसुहर्तसु

चिमंतसुसंतसुजानसुसीलसिरोमनिस्वै सुरतीरथतासुमनाव
 तआवनपावनहोतहैतातनछै गुनगेहसनेहकोभाजनसोसब
 हीसौंउगाइकहौंभुजहै सतिभावसदाछलछाडिसबैतुलसीजो
 रहैरघुबीरकोहै १७६ सोजननीसोपितासोइभ्रातसोभामिनि
 सोसुतसोहितमेरो सोइसगेसोसपासोइसेवकसंगुरसोसुरसाहि
 बचैरो सोतुलसीप्रियपानसमानकहौंलौबनाइकहौंबडुतेरो
 जोतजिदेहकोगेहकोनेहसनेहसोरामकोहोइसबेरो १७७ राम
 हैंमातपितासुतबंधुऔसंगीसपागुरुस्वामिसनेही रामकीसौं
 हभरोसोहैरामकोरामरंगीरुचिराचोनकेही जीवतराममुएपुनि
 रामसदारघुनाथहिकीगतिजेही सोईजियैजगमैतुलसीनतडो
 लतऔरमुएधरिदेही १७८ सियरामसरूपअगाधअनूपविलेख
 नमीननकोजलुहै श्रुतिरामकथामुषरामकोनामहिएपुनिराम
 हिकोथलुहै मतिरामहिसोगतिरामहिसोरतिरामसोरामहिको
 बलुहै सबकीनकहैतुलसीकेमतेयतनोजगजीवनकोफलुहै
 १७९ दसरत्यकेदानिसिरोमनिरामपुरानप्रसिद्धसुन्यौजसमे
 नरनागसुरासुरजाचकजोतुमसोमनभावतपावनकै तुलसी
 करजोरिकरैबिनतीजोरुपाकरिदीनदयालसुनै जेहिदेहसने
 हनरावरेसोअसीदेहधराइकैकाहजनै १८० मूठोहैमूठोहै
 मूठोसदाजगसंतकहतजेअंतलहाहै ताकोसहैसंस्कृत
 टिककाढतदंतकरंतहहाहै जानपनीकोयुमानबडोतुलसीके
 बिचारगंवारमहाहै जानकीजीवनजानन्यान्योतोजानकहाव
 तजानकहाहै १८१ तिनतेपरस्करस्वानभलेजडताबसतेन
 कहैकछुवै तुलसीजेहिरामसोनेहनहीसोसहीबिनुपसुपौछ

विषाननद्वै जननीकतभारमुर्द्धसमासभईकिनवांगईकिम
 त्वै जरिजाउसोजीवनजानकिनाथजियैजगमेतुम्हरोबिनुकै
 १८२ गजबाजिघटाभलेभूरिभटाबनितासुतभौंहतकैसवकै
 धरेनीधमधामसरीरभलोसुरलोकहुंचाहिइहैसुषसै सबको
 कटसाकटहैतुलसीअपनोनकछूसपनोदिनद्वै जरिजाउसो
 जीवनजानकिनाथजियैजगमेतुम्हरोबिनुकै १८३
 सुरराजसोराजसमाजसमृद्धिविरंचिधनाधिपसोधनभो
 प्रवमानसोपावकसोजमसोमसोपूषनसोभवभूषनसो
 करिजोगसमाधिसमीरनसाधिकैधीरबडोबसहुंम
 नभो सबजायसुभायकहैतुलसीजोगजानकीजीवनकोजन
 भो १८४ कामसेरूपप्रतापदिनेससेसोमसेसीलगनेससेमाने
 हरिचंदसेसांचेवडेविधिसेमघवासेमहीपविषयसुषसाने सुक
 सेमुनिसारदसेवकताचिरजीवनलोमसतेअधिकाने ऐसेभ
 येतोकहातुलसीजोपैराजिवलोचनरामनजाने १८५ मृत
 हारअनेकमतंगजंजीरजडेमदअंवुचुचाते तीषेतुरंगमनोगति
 चंचलयोनकेगौनहुतेबडिजाते भीतरचंदमुषीअवलोकति
 वाहिरभूषणडेनसमाते ऐसेभयेतौकहातुलसीजोपैजानकि
 नाथकैरंगनरात्रे १८६ राजसुरेसपचासककोविधिकेकरको
 जोपेदेविधिपाये पूतसपूतपुनीतप्रियानिजसुंदरतारतिको
 सद्वाये संपतिसिद्धिसवैतुलसीमनकीमनसाचितवैचितला
 ये जानकिजीवनजानेबिनाजनऐसेउजीवनजीवतजाये १८७
 हसगातललातजोरोदिनकोघरवातघरीपुरपापरिया तिनसो
 मेकेमेरुसेहेरलहेमनतौनभस्योपरपैभरिया तुलसीदुषदूगो

दसादुहुँदेविकियोमुषदासिदकोकरिया तजिआसभोदासरघू।
 पतिकेदसरत्यकेदानिदयादरिया १८८ कोभरिहैहरिकेखि
 येरितवैपुनिकोहरिजोभरिहै उथपैतेहिकोजेहिरामथपैथपि
 हैतेहिकोहरिजोदरिहै तुलसीयहजानिहियेअपनेसपनेन
 हिकालहुसेउरिहै कुमयाकछुहानिनआरनकीजोपैजान
 कीनाथकृपाकरिहै १८९ ब्यालकरालमहाविषपावकमन्न
 गयंदनकेरदतारे सांसतिसंकिचलीडरपैहुतेकिंकरनेकरनी
 मुषमारे नेकुविषादनहीप्रह्लादहिकारनकेहरिकेवलहारे
 कौनकीचासकरैतुलसीजोपैराबिहैरामतोमारिहैकोरे १९०
 कृपाजेहिकीकछुकाजनहीनअकाजकछूजेहिकेमुषमारे
 करैतिनकीपरिवाहिकोजाहिविषाननपूछफिरैदिनदारे तु
 लसीजेहिकेरघुबीरसेनाथसमर्थसोसेवतरीरुतथारे कृपा
 भवभीरपरीतेहिधौंचिरैधरनीतिनसोतनतारे १९१ काननभू
 धरवारिबयारिमहाविषव्याधिदवाअरिघेरे संकटकोटिजहो
 तुलसीसुतमातुपिताहितबंधुनरे राबिहैरामकृपालतहांहनु
 मानसेसेवकहैजेहिकेरे नाकरसातलभूतलमेरघुनायकए।
 कसहायकमेरे १९२ जबहीजमराजरायसुतेमोहिलैचलि
 हैभटबांधिनटैया तबतातनमातनस्वामिसुतबंधुदिसा
 लविपतिबटैया सासतिघोरपुकारतआरतकौनसुनेहुँ
 रडटैया एककृपालतहांतुलसीदसरत्यकेनंदनबंदिकटैया
 १९३ जहांजमजातनघोरनदीभटकोटिजलचरदंतदेवैया
 जहंधारभयंकरबारनपारमबोहितनावनमीतपेवैया तुल
 सीजहमातुपितानसथानहिकोऊकहुँअबलंवदेवैया त

हाविनुकारनरामकृपालबिसालभुजागहिकादिलेवैया १२४
 जहांहितस्वामिनसंगसषावनितासुतबंधुनवापनमैया का
 यगिरामनकेजनकेअपराधसवैछलछाडिछमैया तुलसीते
 हिकालकृपालबिनादुजौकौनहैदारुनदुःखदमैया जहांस
 वसंकटदुर्घटसोचतहांमेरोसाहिवराधैरमैया १२५ तापस
 कोबरदायकदेवसवैपुनिबैरखटावतबाटे थोरेहीकोपकृपा
 पुनिथोरेहीबैठिकैजोरततोरतठाटे ठेकिबजाइलियोगजरा
 जकहांलौंकहौंकेसोखकाटे आरतकेहितनाथअनाथकेरा
 मसहायसहीदिनगाटे १२६ जपजोगविरागमहामयसाधन
 दानदयादमकोटिकरै मुनिसिद्धसुरेसमहेसगनेससेसेवतज
 न्मअनेकमरै निगमागमज्ञानपुरानपढैतपसानलमेजुगपुंज
 जैरै मनसोपनरीपिकहैतुलसीरघुनाथविनादुषकौनहरै १२७
 पातकपीनकुदारिददीनमलीनधरेकथरीकरवाहै लोकक
 हैविधिदूँनलिव्योसपनेदुनहीअपनेबरवाहै रामकोकिंक
 रसौतुलसीसमुहेहिभलोकहवोनरवाहै असोकोअसोभयो
 कबदूनभजेविनुवानरकोचखाहै १२८ मातपिताजगजाय
 तेज्योविधिदूँनलिव्योकबुभालभलाई नीचनिरादरभाजनका
 दरकुरदुःखअगिललाई रामसुभावसुन्यौतुलसीप्रभुसौं
 कह्योवारकपेटखलाई स्वारथकोपस्मारथकारधुनाथसोसा
 हेबषोरिनलाई १२९ पापहरेपरितापहरेतनपूजिभोहीतलसी
 तेसलाई हंसकियोबकतेबलिजाउंकहांलोकहौंकरुणाअधि
 ष्टाई कालविलोकिकहैतुलसीमनमेप्रभुकीपरतीतिअघाई
 मन्मजहांतहारावरेसोनिबहेभरिदेहसनेहसगाई २०० लो

कहै अरु हैं कहुँ जनषो दोषरो रघुनायक ही को रावरी राम
 वडी लघुता जस मेरो भयो सुषदायक ही को कै यह हानि सहौ
 बलि जाउँ कि मोहूँ करों निज लायक ही को आनि हि एहि
 त जानि करो जा हो ध्यान धरो धनुसायक ही को २०१
 आपु हो आयु को नीके कै जान तरावरो राम भरा योग ढायो
 की रज्यौ नाम रटै तुलसी सो कहै जग जान कि नाथ पढायो सो
 इहै वेद जो वेद कहै न घटै जन जो रघुबीर बढायो हो तो सदा
 परको अस वारति हारे ई नाम गयंद चढायो २०२ घनाक्षरी
 छार ते सँवारि कै पहार दूँ ते भारी कियो गारो भयो पाँचमे पुनीत प
 छपाइ कै होतौ जै सो तब तै सो अब अधमाइ कै कै भरो पेट राम
 रावरो ई गुन गाइ कै आपने निवाजे की पै की जै लाज महाराज
 मेरी ओर हँरि कै न बैठियै रिसाइ कै पालि कै कृपाल व्याल बा
 ल को न मारिये ओकाटिये न नाथ विष दूँ को रूप लाइ कै २०३
 वेद न पुरान गान जानौ न विज्ञान ज्ञान ध्यान धारना समाधिसाध
 न प्रवीनता नाहिन विरग जोग जाग भोग तुलसी के दयादान दू
 वरो हो पाय ही की पीनता लोभ मोह काम को हदोस को समोसो
 कौन कलि दूँ सिधिलई मेरि अमलीनता एक ही भरो सो राम
 राव से कहावत हौ रावरे दयाल दीन बंधु मेरी दीनना २०४ सवरो
 कहावौ गुन गावौ राम रावरो इरोटी है हौ पावौ राम रावरी हि की भि
 हौ जान वजहान मन मेरे दूँ गुमान वजो माने मै न दूसरो न मानतु
 न मानि हौ पाँच की प्रतीति न भरो सो मोहि आपनो ई तुम आपना
 इहो तब हि परि जानि हौ गदि गुदि छो सिछालि कुंद कै सी भाई
 बातै जै सी मुख कहौ तै सी जीय जब आनि हौ २०५ बचन वि

कोरबहूकरतपुवारमनविगतविचारकलिमलकोनिधानुहै
 रामकोकहाइनामवेचिवेचिषाइसेवासंगतिनजाइपाछिलेको
 उपवानुहै तेहूतुलसीकोलोगभलोभलोकहैताकोदूसरेनहै
 तुयेकनीकेकोनिदानुहै लोकरातिविदितबिलोकियतजहाँतहाँ
 स्वामिकेसनेहस्वानहूँकोसनमानुहै २०६ स्वारथकोसाजन
 समाजपरमारथकोमोसोदगावाजदूसरेनजगजालहै कैन
 आयोकरौंनकरोंगेकरतुतिभलीलिषीनविरंचिहूँभलाईभू
 लिभालहै रावरीसयधरामनामहीकीगतिमेरेइहाँरूठोरूठो
 सौतिलोकतिहुँकालहै तुलसीकोभलोपैतुम्हारेहीकियेहु
 पालकीजैनबिलंबबलियानीभरीवालहै २०७ रागकोनसा
 जनविरागजोगजागजियकायरनछाँडिदेतटाटिवोकुटाटको
 मुनोरजकरतअकाजभयोआजुसगिचाहैचारुचीरपैलहै
 नदूकटाटको भयोकरतारबडेकूरकोहुपालअतियायोजाम
 पारसहौंलालचीवरटको तुलसीकीवाजीरामरावरेबनाई
 नतोधोवीकैसोकूकुरनघरकोनयाटको २०८ ऊचोमनऊची
 रुचिभागनीचोनिपटहिलोकरीतिलायकनलंगरलबारहै
 स्वारथअगमपरमारथकीकहाचलीपेटकीकठिनजगजीव
 कोजवारुहै चाकरीनआकरीनषेतीनवनिजभीषजानतन
 वृद्धकेछुकिसिमकेवारहै तुलसीकीवाजीराधीरामहीकेना
 भनतोभेटपितरनसोनमुँडेहूमेबारहै २०९ अपतउतार
 अपकारकोअगारजगजाकेछाहछुयेसहमतव्याधवाधको
 पावकपुद्गमिपालिवेकोसहसाननकपटकोपयोधिअपराध
 को तुलसीसेवामकोभोदाहिनोदयानिधानसुनतसिहातस

वसिष्ठसाधुसाधको रामनामललितललामकियेलाषनकोव
 डोकूरकायरकपूतकीडीआधको २१० सबअंगहीनसबसा
 धनविहीनमनवचनमलीनहीनकूरकरततिहों बुधिबल
 हीनभावभगतिविहीनदीनगुनज्ञानहीनहीनभागद्विभूतिहो
 तुलसीगरीबकीगईवहोररामनामजाहिजपिजीहरामहूकोवेठो
 धूतिहों श्रीतिरामनामसेप्रतीतिरामनामकीप्रसादरामनामकेप
 सारिपाइसूतिहों २११ मेरेजानजवतेहोंजीवद्वैजनम्योजगत
 वतेबेसाह्योदामलोहकोहकामको मनतिनहीकीसेवतिनही
 सोभावगीकोवचनबनाइकहोंहोंगुलामरामको नाथहूँनअ
 पनायोसोकहूँद्वैपरीपैप्रभुहुतेप्रबलप्रतापप्रभुनामको
 अपनीभलाईभलोकीजैतोभलोईभलोतुलसीकोषुलैतोष
 जानौषोटेदामको २१२ जोगनविरागजपजागतपत्यागवत
 तीरथनधर्मजानोवेदविधिकिमिहै तुलसीसोपोचनभयोहै
 नहिद्वैहैकहूँसोचैसबयाकेअथकैसेप्रभुछमिहै मेरेतौनडर
 रघुवीरसुनौसांचीकहोंषलअनवैहैंतुम्हैसज्जनननिगमिहैभ
 सेसुहृतीकेसंगमोहितुलातौलिएतौनामकेप्रसादभारमेरीआ
 रनमिहै २१३ जातिकेकुजातिकेअजातिकेपेटागिवसथाएदू
 कसबकेविदितवातदुनीसो मानसबचनकायकियेपापस
 तिभायरामकोकहायदासदगाबाजपुनीसो रामनामकेप्रभा
 उवाउमहिमाप्रतापतुलसीसोजगमानियतमहासुनीसो अ
 तिहीअभागोअनुरागतनरामपदमूढयेतेबडोअचरजदेविसु
 नीसो २१४ जायोकुलमंगनबधावनोवजायोसुनिभयोपरि
 तापपापजननीजनकको वारेतेललातबिललातद्वारद्वारदी

नजानतहोचारिफलचारिहिचमकको तुलसीसेसाहिबसम
 र्थकोसुसेवकहिसुनतसिहातसोचविधिदूगनकको नामरा
 मरावरोसयानोकिधौंबावरोजोकरतगिरितैगरुतनतेतनक
 को २१५ वेददूँपुरानकहीलोकदूँविलोकियतरामनामही
 सोरीनेसकलभलाईहै कासीदूँमरतउपदेसतमहेससोईसा
 धनअनेकचितईनचितलाईहै छालिकोललातजेतेरामना
 मकेप्रसादयातपुनसातसोधेदूधकीमलाईहै रामराजसुनिय
 तराजनीतिकीअवधिनामरामरावरेतोचामकीचलाईहै २१६
 सोचसंकटनिसोचसंकटपरतजरजरतप्रभाउनामललितल
 लामको बूडीयोतरतबिगरीयेसुधरतिवातहोतदेविदाहिनी
 सुभाउविधिबामको भागतअभागअनुरागतविरागभागजा
 गतआलसतुलसीदूँसेनिकामको धाईधारिकिरिकैगोहारि
 हितकारीहोतआईमीचमिततजपतरामनामको २१७ आध
 रोअधमजडजाजरोजराजमनसूकरकेसावकढकाढकेलो
 मगमै गिर्योहिएहहरिहरामहोहरामहन्योहाइहाइकरत
 परिगोकालफंगमै तुलसीबिसोकद्वैतिलोकपतिलोकगयो
 नामकेप्रतापबातबिदितहैजगमै सोईरामनामजोसनेहसो
 जपतजनताकीमहिमाक्योंकहीहैजातअगमै २१८ जयक
 नतृपयपकियोनतमाईजोगजागनविरागत्यागतीस्थनतन
 को भाईकोभरोसोनपरोसोबैरबैरीदूँसोबलअपनोनहित
 जननीजनकको लोककोनडरपरलोककोनसोचदेवसेवान
 सहायगर्विधामकोनधनको रामहीकेनामतेजोहोइसोइनीकी
 लागैअसोइसुभावकछुतुलसीकेमनको २१९ ईसनगनेस

नदिनेसनसुरेससुरगौरगिरापतिनहितनजपौजपने तुम्हरोई
 नामकोभरोसोभवतरिवेकोबैठेउठेजागतबागतसुषसपने तु
 लसीहैवावरोसोरावरोदूरावरीसोंरावरेदूजानिजियकीजियेजू
 अपने जानकीजीवनमेरेरावरेबदनफेरेठाँउँनसमाँउँकटूँस
 कलनिरपने २२० जाहिरजहानमेजमानोएकभाँतिभयोवैचि
 येबिबुधधेनुरासभीबेसाहिये अैसेउकरालकलिकालमेकपाल
 तेरेनामकेप्रतापनत्रितापतनदाहिये तुलसीतिहारोमनबच
 नकरमंजनयेदूनातोनेहनिजओरतेनिबाहिये रंककेनिबा
 जरघुराजराजाराजनकेउमिरिदराजमहाराजातेरीचाहिये २२१
 स्वारथसयानपप्रपंचपरमारथकहायो रामरावरोहोंजानतजहां
 उहै नामकेप्रतापबापआजलौंनिवाहीनीकीआगेकोगोसाँई
 स्वामीसबलसुजानहै कलिकीकुचालिदेषिदिनदिनदुनीदेव
 पाहरईचोरहेरिहियहहरानुहै तुलसीकीवलिवारवारहींसम्हा
 रकीवीजद्यपिहपानिधानसदासावधानहै २२२ दिनदिनदुनी
 देषिदारिदुकालदुषदुरितदुराजसुषसुछातसकोचहै मागैपैत
 पावतप्रचारिपातकीप्रचंडकालकीकरालताभलेकोहोतपो
 चहै आपनेतौयेकअवलंबअंबईभज्योसमर्थसीतानाथस
 बसंकटबिमोचहै तुलसीकीसाहससराहियेकपालरामनाम
 केभरोसेपरिनामकोनिसोचहै २२३ मोहमदमातोरानोकुमति
 कुनारिसोबिसारिबेदलोकलाजआकरोअचेतहै भावैसोक
 रतनुषआवैसोकहतकछुकादूकीसहतनाहिसरकसहेतुहै
 तुलसीअधिकअधमाईदूअजामिलतेतादूमेसहायकलिक
 पटनिकेतहै जैवेकीअनेकटेकएकटेकद्वैवेकीसोपेटप्रियपूत

हितरामनामलेतहै २२४ जागियेनसोइयेविगोइयेजनमजा
 इदिनदुषरोइएकलेसकोहकामको राजांकरागीऔबिरागीभू
 रिभागीएअभागीजीवजरतप्रभाउकलिवामको तुलसीकबंध
 कैसोधाइवोविचारुअंधधुंधदेषियतजगसोचपरिनामको सो
 इवोजोरामकेसनेहकीसमाधिसुषजागिवोजोजीहजयैनीकेर
 मनामको २२५ बरनधरमगयोआश्रमनिबासतज्यौत्रासन
 चक्रितसौपरावनोपरोसोहै परमउपासनाकुबासनाबिनासो।
 ज्ञानबचनबिरागवेषजगतहरोसोहै गोरषजगायोजोगभगति
 भगायोलोगनिगमनियोगतेसोकलिहिछरोसोहै कायमन
 बचनसुभायतुलसीहैजाहिरामनामकोभरोसोताहीकोभरोसे
 है २२६ सबैया वेदपुरानविहाइसुपंथकुमारगकोटिकुचा
 लिचलीहै कालकरालनृपालकृपालनराजसमाजवडोइछ
 लीहैं वर्नविभागनआश्रमधर्मदुनीदुषदोषदरिद्रलीहै
 स्वारथकोपरमारथकोकलिरामकोनामप्रतापबलीहै २२७
 नमिदैभवसंकटदुर्यटहैतपतीरथजन्मअनेकअदौ कलिमे
 नविरागनज्ञानकहूंसबलागतफोकटफूटजदौ नटज्यौंजि
 मपेटकुपेटककोटिकचेटककौतुकठाटठटौ तुलसीजोसदा।
 सुषचाहियेतौरसनानिसिबासररामरदौ २२८ दमदुर्गमरा
 नदयामषकर्मसुधर्मअधीनसबैधनको तपतीरथसाधनजो
 गबिरागसोहोइनहीदृढतातनको कलिकालकरालमेरामह
 पालइहैअबलबवडीमनको तुलसीसबसंजमहीनसबैएक
 नामअधारसदाजनको २२९ पाइसुदेहबिमोहनदीतरनीन
 लहीकरनीनकछूकी रामकथावरनीनबनाइसुनीनकथाप्र

हलादनधूकी अबजोरजराजरिगातगयेमनमानिगलानिकु
 वामिनमूकी नीकेकौठीकदईतुलसीअबलंबवडीउरआष
 रदूकी २३० रामविहादूमराजपतेविगरीसुधरीकविकोकि
 लदूकी नामहितेगजकीगनिकादुअजामिलकीचलिगैच
 लचूकी रामप्रतापबडेकुसमाजबजाइरहीपतिपंडुबधूकी
 ताकोमलोअजहूंतुलसीजेहिप्रीतिप्रतीतिहैआषरदूकी २
 ३१ नामअजामिलसेषलतारनतारनवारनबारखधूकी ना
 महरेप्रह्लादविषादपिताभयसासतिसागरसूको नामसो
 प्रीतिप्रतीतिविहीनगिलोकलिकालकरालनचूकी रविहै
 रामसोजसुहियेतुलसीदुलसैबलआषरदूकी २३२ यना
 हरी बेतीनकिंस्तानकोभियारिकानभीषवलिवनिकको
 धनिजनचाकरकोचाकरी जीवकाविहीनलोगविद्यमा
 नसोचबसकहैएकएकनसोकहांजाइकाकरी वेदहूंपुरान
 कहीलोकहूंबिलोकियतसंकरेसबकोरामरावरेकपाक
 री दारिदसासननदवाईदुनीदीनबधुदुरितदहनदेधितुलसीहहा
 करी २३३ कुलकरवतिभूतिकीरतिसरूपगुनजोवनज्वर
 जतपरतनकछुकही राजकाजकुपथकुसाजभोगरोगहीके
 वेदबुधविद्यापाइबिवसबलकही - गतितुलसी
 सकीलषतनहिजोतुरतपवितेकरतछारपवसोपलकही
 कासोकीजैरोषदोषदीजैकाहिपाहिरामकियोकलिकालकु।
 सिपललषलकही २३४ बबुरबहरेकोबनाइबागलाइयत
 रंधवेकोसोअसुरतरुकाटियतहै गारीदेतनीचहरिचंदहूंदधी

चंद्रको आपने चनाचवाइ हाथ चाटियत है आपुमहोपातकी
हंसत हरिहर हूं को आपु है अभागी भूरिभागी जांटियत है कलि
की कलुष मनमलिन किरकहत मसक की पाँसुरी पयोधि पाटि
यत है २३५ सुनिये कराल कलिकाल भूमिपाल तुम जाहि घा
लो चाहिये कहो यों राखै ताहि को हैं तो दीन दूबरो बिगारों ढारों
रावरो न मै हूँ तै हूँ ताहि को सकल जग जाहि को काम को हलाइ
कै देषा इयत आपि मोहिये ते मान अकस की बे को आपु आहि को
साहिब सुजान जिन स्वान हूँ को पक्ष कियो राम बोला नाम हौं गुल
म राम साहि को २३६ सबैया साँची कहौं कलिकाल कराल
मै डारों बिगारों तिहारो कहत है काम को लोभ को क्रोध को मो
ह को मोही सो अनिप्रपं २३७ हौं जग नायक लायक आजु
पै मे भ्रियो टेव कुटेव महा है जान की नाथ बिना तुलसी जग दूस
रे सो करि है न हहा है २३७ भागीरथी जल पान करों अरु नाम
दे राम के लेत नि तै हों मो सो न ले नो न दे नो कछू कलि भूलिन
रावरे ओर चितै हों जानि कै जोर करों परि नाम तुम्है पछितै हों
पै मै न भितै हों ब्राह्मन ज्यों उगिल्यो उरगारि ही त्यों ही तिहारो
हिये न हितै हों २३८ राजमराल के बालक पेलि कै पालत ला
लत पूसर को सुचि सुंदर सालि सकेलिसं बारि कै बीज वंदोरत
उसर को गुन ज्ञान गुमान भभेरि बडो कल्पद्रुम काटत मूसर
को कलिकाल बिचार अचार हरी नहि स्मरै कछू धम धूसर
को २३९ की बे कहा पदिवे को कहा फल बूझि न वेद को भेद वि
वासी स्वारथ को पस्मारथ को कलिकाम दराम को नाम विसा

ल्यो बादबिबादविषादबढाईकैछातीपरईऔआपनीजाख्यो
 चारिदूकोछद्मकोनवकोदसआठकोपाठकुकाठज्यैफार्यो
 २४० आगमवेदपुरानबषानतकोटिकमारगजाहिनजाने
 जेमनितेपुनिआपुहिआपुकोईसकहावतसिद्धसयाने धर्म
 सवैकलिकालग्रसेजपजोगविरागलैजीवपराने कोकरिसो
 चमेरेतुलसीहमजानकिनाथकेहाथविकाने २४१ धूतकहै
 अवधूतकहौरजपूतकहौजोलहाकहौकोऊ काढूकेवटीसो
 वेदानव्याहिहौंकाढूकीजातिबिगारनसोऊ तुलसीसरनाम
 गुलामहैरामकोताकोरुचैसोकहैकछुओऊ मांगिकैवैवोम
 जीतकोसोइबोलेवोएकनदेवेकोदोऊ २४२ घनाक्षरी मेरे
 जातियांतिनचहौंकाढूकीजातियांतिमेरेकोउकामकोनहौंका
 ढूकेकामको लोकपरलोकरघुनाथहीकेहाथसबभारीहैभ
 रोसोतुलसीकेएकनामको अतिहीअयानेउषयानेनहिबूहै
 लोगसाहेबकेगोतगोतहोतहैगुलामको साधुकैअसाधुकैभ
 लोकैपोचसोचकहाकहाकाढूकेदारपख्यौंजोहौंसोहौंरामको
 २४३ कोऊकहैकरतकुसाजदगाबाजबजोकोऊकहैरामको
 गुलामपरोषूवहै साधुजानैमहासाधुषलजानैमहाषलवानी
 मूठीसांचीकोटिउठतहवूवहै चहतनकाढूसोकहतनकाह
 कोकछुसबकीसहतउरअंतरनऊबहै तुलसीकोभलोपोच
 हाथरघुनाथहीकेरामकीभगतिभूमिमेरीमतिदूबहै २४४
 जागैजोगीजंगमजतीजमातध्यानधरैडरैडरभारीलोभमोह
 कोहकामके जागैराजारजकाजसेवकसमाजसाजसोचैसुनिस
 माचारषडेवैरीबामके जागैबुधविद्याहितपंडितचकितचित

जगैलोभीलालचधरनिधनधामके जगैभोगीभोगहिवियो
 (गीरोगीरोगबससोवेसुषतुलसीभरोसेएकरामके २४५ छ।
 ये राममातुपितुबंधुसुजनगुरपूज्यपरमहित साहेबसबा
 सहाइनेहनातोपुनीतचित देसकोसकुलकर्मधर्मधनधाम।
 धरनिगति जातिपातिसबभातिलागिरामहिहमारमति पर
 मारथस्वारथसुजससुलभरामतेसकलफल कहैतुलसिदा।
 सअबजबकबहुंएकरामतेमोरभल २४६ महाराजबलिजाँउ
 रामसेवकसुषदायक महाराजबलिजाँउरामसुंदरसबलाय।
 क महाराजबलिजाँउरामसंकटसबमोचन महाराजबलि
 जाँउरामराजीवबिलोचन बलिजाँउरामकरुणायतनप्रनत
 पालपातकहरन बलिजाँउरामकलिभयविकलतुलसिदास।
 राखियसरन २४७ जयताडकासुबाहुमथनमारीचमानहर
 मुनिमवरक्षनदक्षसिलातारनकरुणाकर नृपगनबलमदस
 हितसंभुकोदंडविहंडन जयकुठारधरदर्पदलनदिनकरकुल
 मंडन जयजनकनगरआनंदप्रदसुषसागरसुषमाभवन
 कहैतुलसिदाससुरमुकुटमनिजयजयजयजानकीरमन २४८
 जयजयंतजयकरअनंतसज्जनजनरंजन जयबिराधब
 धविदुषविबुधमुनिगनभयभंजन जयनिसिचरीकुरूपकर
 नरघुबंसबिभूषन सुभटचतुर्दससहसदलनत्रिसिरावरदूषन
 जयदंडकवनपावनकरनतुलसिदाससंसयसमन जगबिदित
 जगतमनिजयतिजयजयजयजयजानकीरमन २४९ जयमा
 यामृगमथनगीधसवरीउद्धारन जयकबंधसूदनबिसालत
 रुतालबिदारन दवनबलिबलसालियपनसुग्रीवसंतहित

कपिकरालभटभालुकटकपालककपालचित जयसियवि
 योगदुषहेतुहृतसेतुबंधवारिधिदमन दससीसविभीषनअभ
 यप्रदजयजयजयजानकीरमन २५० कनककुधरकेदास्वी
 जसुंदरसुरमुनिवर सीचिकामधुकधेनुसुधामयपयविसुद्धत
 रतीरथपतिअंकुरस्वरूपजक्षेसरक्षतेहि मरकतमनिसाषा
 सुपत्रमंजरीसुलक्षिजेहि कैवल्यसकलफलकल्यतरुसुभसुभा
 उसवसुषवरिस कहैतुलसिदासरघुवंसमनितौकिहोहित
 वकरसरिस २५१ जाइसोसुभटसमर्थपाइरनरारिनमंडै जा
 इसोजतीकहाइविषैबासनानछंडै जाइधनिकबिनुदानजा
 इनिर्धनबिनुधर्महि जाइसोपंडितपढिपुरानजोरतनसुक
 र्महि सुतजाइमातुपितुभक्तिबिनुतियसोजाइजेहिपतिनहि
 त सबजाइदासतुलसीकहैजौनरामपदनेहनित २५२
 कोनकोधनिर्दहेउकामबसकेहिनहिकीन्हो कोनलोभट
 टफंदबांधिनासनकरिदीन्हो कवनहृदयनहिलागकटि
 नअतिनारिनयनसर लोचनयुतनहिभयउअंधश्रीपाइरु
 वननर सुरनाकलोकमहिमंडलहुसेजोमोहकीन्होजयन
 कहैतुलसिदाससोऊबरेजेहिराषुरामराजीवनयन २५३
 सबैया भौहैंकमानसंधानसुठानजोनारिबिलोकनिबान
 तेबांचे कोपहासानुगुमानअवाधटजेजिनकेमनआंचन
 आंचे लाभसबैनंटकेबसद्वैकपिज्यौजगमेंबहुनांचवना
 चै नीकेहैसाधुसबैतुलसीपैतेईरघुबीरकेसेवकसांचे
 घनाक्षरी वेषसुबनाइभलेबचनकहैचुवाइजाइतौनजर
 निधरनिधनधामकी कोटिकउपाइकरिलालिपालियतदे

हमुषकहियतगतिरामहीकेनामकी प्रगटेउपासनादुरावेदु
 र्वासनाहिमानसनेबासभूमिलोभमोहकामकी रागरोषईर्षा
 कपटकुटिलाईभरेतुलसीसेभगतभगतिचाहैरामकी २५५
 कालिहीतरुनतनकालिहीधरनिधनकालिहीजितौंगोरनक
 हतकुचालिहै कालिहीसाधोंगोकाजकालिहीराजासमाज
 मासोकोउकहाभारेमहीमेरुहालिहै तुलसीयहीकुभांतिघ
 निघरयालिआयेघनेघरयालतहैघनेघरयालिहै देवतसुनतसमुक्तहूँ
 नसुमैसोईकबहूँकह्यौनकालहूँकोकालकालिहै २५६ भयोनतिकालति
 हूलोकतुलसीसोमंदनीदैसबसाधुसुनिमानोनसकोचहौं जानतन
 जोगहियहौंनिमानैजानकीसकाहेकोपरेवोहोपापीप्रपंचीपोच
 हौं पेढभरिवेकेकाजमहाराजकोकहायोमहाराजहूँकह्यौहै
 प्रनतब्रिमोचहौं निजअघजालकलिकालकीकरलताबि।
 लोकिहोतव्याकुलकरतसोईसोचहौं २५७ धर्मकोसेतुजग
 मंगलकोहेतुभूमिभारहरिवेकोअवतारलियोनरको नीति।
 औप्रतीतिप्रीतिपालचालिप्रभुमानलोकवेदराषिवेकोपनरघु
 वरको बानरविभीषनकीऔरकीकनावडोहैसोप्रसंगसुनेअ
 गजरेअनुचरको राघेरीतिआपनीजोहोइसोइकीजैबलितुल
 सीतिहारोघराइइहैघरको २५८ नाममहाराजकेनिवाहीनी
 कीकीजैउरसबहीसोहातमैनलोगनसोहातहौं कीजैरामवार
 सहीमेरीऔरचषकोरताहिलगिरंकज्यौंसनेहकोललातहौं
 तुलसीबिलोकिकलिकालकीकरलताकपालकोसुभाउंस
 मुरुतसकुचातहौं लोकएकभांतिकोत्रिलोकनाथलोकबस
 आपनोनसोचस्वामीसोचहीसुधातहौं २५९ तौलौलोभलो

लुपललोतिलालचीलवारवारवारलालचधरनिधनधामको
 तबलेंवियोगरोगसोगभोगजातनाकेजुगसमलागतजीवन
 जामजामको तौलेंदुषदारिद्रहातअतिनिततनतुलसीहै
 किंकरविमोहकोहकामकोसबदुषआपनेनिरापनेसकलसुषजौलें
 जगभयोनबजाइराजामको २६ तौलेंमलीनहीनदीनसु
 षसपनेनजहांतहांदुषीजनभाजनकलेसको तौलेंउबेनेपा
 यफिरतपेदौषलायबायेमुहसहतपरभवदेसदेसको तब
 लेंदयावनोदुसहदुषदारिद्रकोसाथरीकोसोइवोऔढिबोदू
 नेषेसको जवलेंनभजैजीहजानकीजीवनरामराजनकोरा
 जासोतौसाहेवमहेसको २६१ ईसनकेईसमहाराजनकेम
 हाराजदेवनकेदेवदेवप्रेनहूँकेप्राणहौ कालहूँकेकालमहा
 भूतनकेमहाभूतकर्महूँकेकस्मनिदानकेनिदानहौ निगमकोअग
 मसुगमतुलसीहूँसेकोएतेमानसीलसिंधुकरुनानिधानहौ महि
 माअपारकाहूबोलकोनवारापारवडीसाहिवीमेनाथबडेसा
 वधानहौ २६३ सबैया आरतपालकपालजेरामजेहीसु
 मिरेतेहिकोतहांठाठे नामप्रतापमहामहिमाअकरेकिएष
 टेउछोटेउबाटे सेवकरकतेएकअनेकभएतुलसीतिहुंताप
 नडाटे प्रेमबदौंप्रह्लादहिकोजिनपाहनतेपरमेसुरकाटे
 २६३ काढिकपानकपानकहूपितुकालकरालबिलोकि
 नभागे रामकहौसबठांउहैंधंभमेहौसुनिहांकनिकेहरिजगो
 बैरीविदारिभएविकरालकहैप्रह्लादहिकेअनुरागे प्रीति
 प्रतीतिबढीतुलसीतबतेसबपाहनपूजनलागे २६४ अंत
 रजामिहुतेबडेबाहेरजामिहैरामजेनामलियेते धावतधेनुप

नहाइलवाइजौवालकवालकबोलनिकानकियेते आपनि
 बूमिकहैतुलसीकहिवेकीनवावरिवातवियेते पैजपुरेप्रहला
 ददुकोप्रगटेप्रभुपाहनतेनहियेते २६५ बालकवोलिदियो
 बलिकालकोकायरकोदिकुचालचलाई पापीहैबापबडो
 परितापतेआपनीओरतेबोरिनलाई भूरिदईविषमूरिभई
 प्रहलादसुधार्सुधाकीमलाई रामकृपातुलसीजनकोजग
 होतभलेकोभलोईभलाई २६६ कंसकरीहजबासिनपैकर
 त्तिकुभांतिचलैनचलाई पंडुकेपूतसपूतकपूतसुजोध
 नभाकलिछोटोछलाई कान्हकपालबडेनतपालगयेषल
 घेचरवीसषलाई ठीकप्रतीतिकहैतुलसीजगहोइभलेकोभ
 लोईभलाई २६७ अक्नीसअनेकभयेअक्नीजिनकेडरते
 सुरसोचसुयाही मानबदानवदेवसतावनरावनधाटिरच्यो
 जगमाही तेमिलयेधरिधूरिसुजोधनजेचलतेबहुछत्रकी
 छीहैं वेदपुरानकहैजगजानगुमानगोविंदहिभावतनाही
 २६८ जवनैननप्रीतिठईठगस्यामसोसथानिसवीहठिहौब
 रजी नहिजानौबियोगसुरेगहैआगेरुकीतवहौतोहिसेत
 रजी अवदेहभईपटनेहकेघालेसोषोजकरैबिरहादरजी
 हजराजकुमारविनांसुनुभंगअनंगभयोजियकोगरजी
 ॥ २६९ ॥ जोगकथापठईहजकोसबसोस
 रुचेरीकीचालचलाकी ऊधौजूकौनकहैकुबरी
 जोबरीनटनागरहेरिहलाकी ॥ ७६ ॥

जहिलगेपौरजानेसोइतुलसीसोसोहागिनिनंदललाकी जा
नीहैजानपनीहरिकीअवबांधियैगीकछुमोटकुलाकी २९०
घनाक्षरी पढ्योहैछपदछबीलेकान्हकैहूकहूषोजिकैषवा
सषासोकूबरीसोबालको ज्ञानकोगढैयाबिनुगिराकोपढैया
बारपालकोकढैयासोबढैयाउरसालको श्रीतिकोबधिकरस
रीतिकेअधिकनीतिनिपुनबिवेकहैनिदेसदेसकालको तुल
सीकहेनवनैसहेहीबनैगीसबजोगभयोजोगकोबियोगनंद
लालको २९१ हनुमानकैहूपाललाडिलेलषनलालभावते
भरतहैजेसेवकसहायजू विनतीकरतदीनदूबरोदयावनो
सोबिगरेतेआपुहीसुधारिलीजैभायजू मेरीसाहिविनीसदा
सीसपरबिलसतिदेवीक्यौनदासकोदेषायतयायजू मीषहू
मेरीमिवेकीबानिरामरीगतहैरीरुद्वैहैरामकीदोहाईरघुरा
यजू २९२ सबैया बेषविरागकोरागभरोमनभावकहौस
तिभावहौंतोसो तेरेहीनाथकोनमलैवेचिहौंयातकीपांव
रप्राननियोसो येतेबडेअपराधीअधीकहूतैकहौअबकिमे
रोतूमोसोस्वारथकोपरमारथकोपरिपूरनभेफिरिघाटनहौं
सो २९३ घनाक्षरी जहौबालमीकभयेव्याधतेमुनिंदसा
धुमरामराजपेसिषसुनिरिषिसातकी सीयकोनिवासलव
कुसकोजनमथलतुलसीछुअतछाहतापगैरगातकी वि
टपमहीयसुरसरितसमीपसोहैसीताबटपेषतपुनीतहोतपा
तकी बारिपुरदिगपुरबीचबिलसतिभूमिअंकितजोजान
कीचरनजलजातकी २९४ मरकतवरनपरनफलमानिक
सेलसेजटाजूटजनुरुषबेषहरहै सुषमाकोढेरुकैधौंसुहृत

सुमेरुकेधौसंपदासकलमुदमंगलकोधरुहे देतअभिमतजो
समेतप्रीतिसेइएप्रतीतिमानितुलसीविचारिकाकोथरुहै सु
रसरिनिकटसोहावनीअवनिसोहैरामरवनीकोबटकलिकाम
तरुहै २७५ देवधुनीपासमुनिवासअनिवासजहाँप्राकृतदुं
बटवूटबसतपुरारिहै जोगजपजागकोबिरागकोपुनीतपी
ठिरागिनपैसीठिडीठिवाहरीनिहारिहै आपसुआदेसबा
बूभलोभलोभावसिद्धतुलसीविचारिजोगीकहतपुकारिहै
रामभगतनकोतोकामतुरुतेअधिकसीयबटसेयेकरतल
फलचारिहै २७६ जहाँबनपावनोसोहोवनेबिहंगमृगदे
षिअतिलागतअनंदषेतषूटसो सीतारामलषननिवास
वासमुनिनकोसिद्धसाधुसाधकसबैविवेकबूटसो मरना
मरतवारिसीतलपुनीतवारिमंदाकिनिमंजुलमहेसजदजू
टसो तुलसीजोरामसोसनेहसांचोचाहियेतोसेइयेसनेह
सोबिचित्रचित्रकूटसो २७७ मोहबनकलिमलजरतजन
जानिजियसाधुगाइविघनकेभयकोनिवारिहै दीन्हीहैर
जाइरामपाइसोसहायलाललषनसमर्थवीरहैरिहेरिमा
रिहै मंदाकिनीमंजुलकमानअसिवानजहाँवारिधारधीर
धरिसुकरसुधारिहैचित्रकूटअचलअहेरीबैठ्योघातमानो
पातककेजातघोरसावकसंघारिहै २७८ सबैया लागिद
वारिपहारढहीलहकीकपिलंकजथाधिरबौकी चारुचुवा
चहुंओरचलीलपटैरुपटैसोतमीचरतौकी क्योंकहिजा
तमहासुषमाउपमातकिताकतहैकबिकोकी मानोलसी
तुलसीहनुमानहियेजगजीतजरायकीचौकी २७९

देवकहैअपनीअपनीअवलोकनतीरथराजंचलोरे देवि।
 मिटैअपराधअगाधनिमज्जातसाधुसमाजभलोरे सोहैसिता
 सितकोमिलिवोतुलसीझुलसैहियहेसिलोरे मानोहरेहन
 चारुचरैबगरैसुरधेनुकैधौलकलोरे २८० देवनदीकाह।
 जोजनजानकियेमनसाकुलकोटिउधारे देविचलैऊगरैसु
 रनारिसुरेसबनाइवेवानसंवारे पूजाकोसाजविरंचिरचैतुल
 सीजेमहातमजाननिहारे औककीनेवपरीहरिलोकबिलो
 कतगंगतरंगतिहारे २८१ ब्रह्मजोव्यापकवेदकहैगमना
 हिगिरागुनज्ञानगुनीको जोकरताभरताहरतासुरराइसु।
 साहिवदीनदुमीको सोईभयोद्रवरूपसहीजोहैनाथविरं
 चिमहेसमुनीको मानिप्रतीतिसदातुलसीजलकाहेनसेवत
 देवधुमीको २८२ बारितिहारोनिहारिमुरारिभयेपस्सेपद
 पापलहोंगो ईसद्वैसीसधरोंपैडरोंप्रभुकीसमताबडेदोषद
 होंगौ बरुबारहिबारसरीरधरौंरघुवीरकोद्वैतबतीरहोंगौ
 भागीरथीविनबौंकरजोखिहोरिनषोरिलगैसोकहोंगो २८३
 घनासरी लालचीललातविललातद्वारद्वारदीनबदनमली
 नमनमिटैगविस्तरा ताकातसराधकैविवाहकैउछाहकछु।
 डोलैलोलबूतसबदढोलतूरगा प्यासैतपावहिबारिभूषे
 नचनकचारिचाहतअहारतेपहारदारिधूरना सोककोअ
 गारदुषभारभरैतौलौंऔलौदेवीइवैनभवानीअन्नपूरना
 २८४ छथै भस्मअंगमर्दनअनंगसंततअसंगहर सी
 संगंगगिरिजाध्वंगभूषनभुजंगवर मुंडमालविधुवालभा
 लउमरुकपालकर विबुधहंदनवकुमुदचंदसुषकंदसूल।

धर त्रिपुरारित्रिलोचनदिगवसनविषभोजनभवभयहरिन क
 हैतुलसिदाससेवतसुलभसिवसिवसंकरसन २८५ गरल
 असनदिगवसनयसनभंजनजनरंजन कुंददुंदुकपूरगौर
 सच्चिदानंदधम विकटवेसउरसेससीससुरसरितसहजशुभ
 चि सिक्ककामअभिरामधामनितरामनामरुचि कंदर्पद
 र्पदुर्गमदमनउमारमनगुनभवनहर त्रिपुरारित्रिलोचनत्रि
 गुणपरत्रिपुरमथनजयचिदसवर २८६ अर्धअंगअंगना
 महानामजोगीसजोगपति विषमअसनदिगवसननामवि
 श्वेशविश्वगति करकपालसिरमालव्यालविषभूतिविभू
 षननामशुद्धअविरुद्धअमरअनवद्यअदूषन विकरालभू
 तवेतालप्रियभीमनामभवभयदमन सबविधिसमर्थमहि
 माअकल्पसोतुलसिदाससंसयसमन २८७ भूतचायभय
 हरनभीमभयभवनभूमिधर भालुमंतभगवंतभूतिभूषनंभु
 जंगवर भवभाववल्लभभवेसभवभारविभंजन भूरिभाग
 भैरवकुजोगगंजनजनरंजन भारतीवदनधर्मसदनससि
 पतंगपावकनयन कहैतुलसिदासकिनभजसिमनभद्र
 सदनमर्दनमयन २८८ सबैया नांगोफिरैकहैमांगने
 देविजबांगोकछूजत्रिमौगियथोरे संकनिनांकपरीदिकरै
 तुलसीजगजोपुरेजाचकजोरे नांकसंवारतआयैहैनांक
 हिनाहिपिनाकिहिनेकुनिहोरे विरंचिकहैगिरिजासिखवोप
 तिरावरोदानिहैबावरोभोरे २८९ विषयावकव्यालकपाल
 गरेसरनागततौतिहुंतापनउडे भूतवेतालसवाभवनामद
 लियलमेभवकेभयगाडे तुलसीसदरिद्रसिरोमनिसोसु

मिरेदुषदारिदोहिनठाडे भौनमेंभांगधतूरोइआंगननागे
 केआगेहैंमांगनेवाडे २९० सीसबसैबरदाबरदानिचढ्यो
 बरदाघरग्योबरदाहै धामधतूरोबिभूतिकोकूरोनिवासत
 हंसबलैमरदाहै आलीकपालीहैप्यालीचट्टांसिभांगके
 टाटिहकोपरदाहै रंकसिरोमनिकाकिनिभावबिलोकत।
 लोकपकोकरदाहै २९१ दानिजोचारिपदारथकोत्रिपुरारि
 तिहंपुरमेसिरदीको भारोभलोभलेभावकोभूषोभलोईकि
 योसुमिरेतुलसीको ताबिनुआसकोदासभयोकवहुनमि
 द्यौलघुलालचजीको साधौंकहाकरिसाधनतैंजोपैराधो
 नहीपतिपारवतीको २९२ जातेजरेसबलोकबिलोकि
 विलोचनसोविषलोकलियोहैं पानकियोविषभूषनभो
 करेनाबरुंनलयसांडहियोहैं मेरोइफोरबेजोगकपारकि
 धौंकछुकाछूलपाइदियोहैं काहेनकात्तकरैविनतीतुलसी
 कलिकालबेहालकियोहैं १९३ घनाक्षरी षायोकालकू
 दभयोअजरअमरतनभवनमसानगथगादरीगरदकी उम
 रुकपालकरभूषणकरालव्यालबाबरेबडेकीरीरुवाहनबर
 दकी तुलसीबिसालगोरेगातबिलसुदभूतिमानोहिमिगिरि
 चारुचादनीसरदकी अर्थधर्मकाममोहबसतबिलोकनि
 मेकासीकराआतिजोगीजागतिमरदकी २९४ पिंगलंजटा
 कलापमाथैतौपुनीतआपपावकनैनाप्रतापभूपवरतहै
 लोयनविसाललालसोहैंबालचंद्रभालकंठकालकूदब्याल
 भूषनधरतहै देतनअघातरीमिषातपातआकहीकेमोरा
 नाथजोगीजबअवढरढरतहै सुंदरदिगंबरबिभूतिगातभां

गुणातरुरेभृंगीपूरेकालकंदकहरतहै २९५ देतसंपदास
 मेतअनिकेतजाचकनिभवनविभूतिभोगवृषभवाहनहै
 नामवामदेवदाहिनोसदाअसंगरंगअरथंगअंगनाअनंग
 कोमहनहै तुलसीमहेसकोप्रभावभावहीसुगमअगमनिग
 महुंकोजाविगहनहै भेषतौभिषारीकोभयंकररूपसंका
 रदयालदीनबंधुदानीदारिद्रहहनहै २९६ चाहेनअनंग
 अरिणकोअंगमांगनेकोदेबोड़पैजानिएसुभावसिद्धवानिसो
 बारिबुंदचारित्रिपुरारिपरडारियैतौदेतफलचारिलेतसेवासां
 चीमानिसो तुलसीभरोसोनभवेसभोरनाथकोतोकोटिकक
 लेसकरोमरोछारछानिसो दारिद्रमनदुषदोषदाहदावन
 लदुनीनदयालदूजोदानिसूलपानिसो २९७ काहेकोअ
 नेकदेवसेवतजागैमसानबोअतअपानसठहोतहठिप्रेतरे
 काहेकोकोटीउपायकरतमरतथायजाचतनरेसदेसदेसके
 अचेतरे तुलसीप्रतीतिविनुत्यागेतौप्रयागतनुधनहीकेहेत
 दानदेतकुरुषेतरे पातद्वैधतरकेहैंभोरेकैभवेससोसुरेसही
 कीसंपदासुभायसोनलेतरे २९८ संघटगयंदबाजिराजिम
 लेभलेभदधनधाममजिहकरनिहूँनपूजैकै बनिताविनी
 तस्तपावनसोहावनचौविनयविवेकविद्यासुभगसरारवै
 इहौचैसोसुषपरलोकसिवलोकचौकताकोफलैतुलसी
 सोसुनोसावधानहै जानेविनुजानेकैरिसानेकेलिकबहुक
 सिबहिचदायेहैहैबेलकेपतौआहै २९९ रतिसीरवनिर्ति
 धुमेषलाअवनिपतिचौनियअनेकगढेहायजोरिहारिकै
 संपदासमाजदेपिलाजसुरराजहूँकेसुषसबविधिविधि

दीनेहैंसवारिकै इहाँअसोसुषसुरलोकसुरनाथपदताको
 फलतुलसीसोकहैगोविचारिकै आककेपतौआचारिफूल
 केधतरेकेहैदीनेहैंबारकपुरारिपरडारिकै ३०० देवसरि
 सेवोंवामदेवगांवरावरेहीनामरामहीकेमोगिउदभरतहैं
 दीनेजोगतुलसीनलेतकादूकोकछुकलिषीनभलाईथालपो
 चनकरतहैं येतेदूंपरकोऊजोरावरोदूँजोरकरैताकौजोरा
 देवदीनद्वारेगुदरतहैं पाइकैओराहनोओराहनोनदीजैमो
 हिकालिकालाकासीनाथकहेभिवरतहैं ३०१ चेरोरामरा
 यकोसुजससुनितेरोहरुपाइतरआइरह्योसुरसरितीरहैं वां
 मदेवरामकोसुभावसीलजानियतनातोनेहजानिजियरघुवी
 रभीरहैं अधिभूतवेदनविषमहोतभूतनाथतुलसीविक
 लपाहिपचतकुपीरहैं मारियेतोअनायासकासीवासवास
 फलज्याइयेतोछपाकरिनिरुजसरीरहैं ३०२ जीवेकीनला
 लसादयालमहादेवमोहिमालुमहैंतोकोमरवेईकोरहतहैं
 कामरिपुरामकेगुलामनिकोकामतरुअबलंबजगदंबसहि
 तचहतहैं रोगभयोभूतसोकुसूतभयोतुलसीकोभूतनाथ
 पाहिपदपंकजगहतहैं ज्याइयेतोजानकीजीवनजनजानि
 जियमारियेतोमोगीमीचस्थियेकहतहैं ३०३ भूतभूतभ
 वतिपिसाचदूतप्रेतप्रियआपनोसमाजसिवआपुनोकेजानि
 ये नानावेषवाहनविभूषनवसनवासधानयानवलिपूजावि
 धिकोबयानियै रामकेगुलामनकीरीतिप्रीतिसूधीसबसबसे
 सगेहसबहीकोसनमानिये तुलसीकीसुधरैसुधारेभूतना
 थहीकेमेरेमायबापगुरुसंकरमवाकिये ३०४ गौरीनाथ

भोरानाथभवतभवानीनाथविश्वनाथपुरफिरिआनकलि
 कालकी संकरसेनरगिरिजासीनारीकासीबासीवेदकहीस
 हीससिसेषरहालकी छमुषगनेसतेमहेसतेपिआरेलेगवि
 कलविलोकियतगरीबिहालकी पुरीसुरबेलिकेलिकाटतकिरा
 तकलिनिहुरनिहारियेउधारिडीदिभालकी ३०५ ठाकुरमहेस
 ठकुराइनितमासीजहांलोकवेदहूँबिदितमहीमाठहरकी भट्टरु
 गनपूतगनपतिसेनापतिकलिकालकीकुचालकाहूँमहरकी
 वसीविश्वनाथकीविषादबडोबारानसीबूमियेनअसौगतिसेक
 रसहरकी कैसेकहैतुलसीट्यासुरकेबरदानिवानिजानिसुधान
 जिषीवनजहरकी ३०६ लोकवेदहूँबिदितबारानसीकीबडाईवा
 सीनरनारीईसअंबिकासरूपहैं कालनाथकोतवालदंडकारीदंड
 पानिसभासदगनपसेअमितअनूपहैं तहऊँकुचालकलिकाल
 कीकुरीतिकेधौंजानतनमूढइहांभूतनाथभूपहैं फलैफूलैफैलैफल
 सीदेसाधुपलपलबातीदीपमालिकाठठाइयतसूपहैं ३०७ पंचको
 सपुन्यकोसस्वारथपरमाथकोजानिआपुआपनेसुपासबासदि
 योहै नीचनरनारिनसंभारिसकैआदरलहंतफलकादरविचारि
 जोनकियोहै वारीबारानसीबिनुकहैचकचकपानिमानिहिंद
 हनिसेमुसरिधनभिजेहै तेसमेभरोसोएकआसतोसकहिजात
 बिकलविलोकिलोककालकूटपियोहै ३० रचतकिरंविहंरिषात्त
 तहरतहरतेरेहिप्रसादजगअगजगपालिकैतोहिमेंविकासविश्व
 तोहिमेविलाससबतोहिमेसमातुमातुभूमिधरबालिके दीजेअवल
 बजगदंबनबिलंबकीजैकरुनातरंगिनीकृपातरंगमालिके
 सेवमहामारीपरितोषमहतारीदुनीदेपियेदुपारीमुनिमानस
 मरालिके ३०८ निपटबसेरेअघचौगुनघनेरेनरनारिउच

नरिजगदंबवेरीचेरेहे दारिदुषारीदेविभूसुरभिषारीभीरुलोभ
 मोहकामकोहकलिमलयेरेहे लोकरीतिरावीरामसाषीवामदेव
 जानिजनकीविनतीमानिमातुकहिमेरेहे महामारीमहेसुनीम
 हिमाकीषानीमोदमंगलकीरासीकासीवासीदासतेरेहे ३१०
 लोगनकोपायकैधौसिद्धसुरसायकैधोकालकेप्रतापकासीति
 दूतापतईहे ऊंचेनीचेवीचकैधनिकरंकराजारायहठनिबेजाई
 करिडीठिपीठिदईहे देवतानिहोरेमहामारीनसोकरजोरेभोरा
 नाथजानीमोरेअपनीसीकहीठईहे करुणानिधानहनुमान
 वीरबलवानजसरासिजहौतहौतैसीलूटिलईहे ३११ संकरस
 हरसरनारिनरवारिचारिविकलमहामारिमहामायाभईहे
 उच्छरतउतरातहहरातमरिजातभभरिभगातजलयलमीचमई
 है देवनदयालमहिपालनकृपालचितवारानसीबाढतुंशुनी
 तनितनईहे पाहिरघुराजयाहिकपिराजरामदूतरामदूकी
 बिगरीतुंहीसुधारिलईहे ३१२ एकतौकरालकलिकालस्त
 लमूलतामेकोठमेकीषाजसीसनीचरीहैमीनकी वेदधर्मदूरि
 गयेभूपचोरभूपभयेसाधुसिद्यमानजातबीतेपापपीनकी दू
 सोकोदूसरोनद्वाररामदयाधामरावरोईगतिवलिबिभवविही
 नकी लगेगीपैलाजवाविराजमनिबिरेहमहाराजअनजो
 नदेतदादिदीनकी ३१४ रामनाममातपितुस्वामीसमरथहितुआस
 रामनामकीभरोसोरामनामको प्रेमरामनामहीसोनेमरामनामही
 कोजामोनमरमपगदाहिनेनवामको स्वारथसकलपरमारथको
 रामनामरामनामहीनतुलसीनकादूकामको रामकीसपथसर्व
 समेसरामनामकामधेनुकामतरुमोसेछीनछापको ३१५ सबैया

मारगसास्त्रिस्मास्त्रिकुमारगकोटिककैपनजीतिकैलीयो संकरको
 सोपापकोदामपरीछितजाहिगोजास्त्रिकैहीयो कासीमेकंदकजे
 तेभयेतेगेपाइअघाइकैआयनोकीयो आजुकिकालिपरोकिना
 रोजडजाहिगेचाटिदेवारीकोदीयो ३१६ कुंकुमअंगसोरंगजि
 तोमुषचंदसोहोडपरीहै बोलतबोलसमिद्धचवैअवलोकतसो
 चबिषादहरीहै गौरीकीगंगबिहंगनिबेषकिमंजुलमूरतिमोद
 भरीहै येषिसप्रेमपयानसमैसबसोचबिमोचनछेमकरीहै ३१७
 घनासरी मंगलकीरासिपरमास्थकीषानिजाकीबिरचीबनाइवि
 धिकेशववसाईहै प्रलयदूंकालराषीस्तनयानिस्तनपरमीचवस
 नीचसोउचाहतवसाईहै छांडिछितिपालजोपरीछितभयेक
 पालमलोकियोषलकेनिकाईसोनसाईहै पाहिहनुमानकर
 नानिधानरामपाहिकासीकामधेनुकलिकुहतकसाईहै ३१८
 विरचीविरचिकीबसतविष्णुनाथकीजोप्रानदूंतैप्यारीपुरीके
 सवकपालकी जोतिरूपलिंगमयीअग्निनितलिंगमयीमोक्ष
 वितरनिबिदरनिजगजालकी देवीदेवदेवसरिमिद्धसुनिबरवास
 लोपतिबिलोकतिकुलिपिभौंडेभालकी हाहाकरैतुलसीदा
 यानिधानगमचैसीकासीकीकदर्थनाकरालकलिकार्षकी
 ३१९ आश्रमवरमकलिबिबसबिकलभयेनिजन्मिन्मरजा
 दमोदरोसीडारदी संकरसरोषमहामारिहितेजानियतसाहि
 बसरोषदुनीदिनदिनदारकी नारिनरआरतपुकारतसुनेन
 कोऊकाहूदेवननिमिलिमोठीमुठीमारदी तुलसीसमीतपोल
 सुमिरेकपालरामसमैसुकरुनासुराहिसनकारदी ३२० इति
 श्रीगोसाईतुलसीदासकृतकवितरामायणसम्पूर्णशुभमस्तु

क०३० ई४

